RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:30 ता. 26 जुलाई 2022, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

महामहिम... देश की 15वीं राष्ट्रपति बनीं द्रौपदी मुर्मू, CJI ने दिलाई शपथ

द्रौपदी मुर्मू भारत की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं जबकि आदिवासी समाज से आने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। द्रौपदी मुर्मू से पहले प्रतिभा देवी सिंह पाटिल राष्ट्रपति पद पर आसीन हो चुके हैं। आपको बता दें कि द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के साझा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को हराया था।

नई दिल्ली। देश के 15वें राष्ट्रपति के तौर पर द्रौपदी मुर्मू ने आज शपथ ग्रहण किया। भारत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण ने संसद भवन के ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल में शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यों के राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री, कई राज्यों के मुख्यमंत्री, सरकार के असैन्य और सैन्य बल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। द्रौपदी मुर्मू भारत की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं जबकि आदिवासी समाज से आने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। द्रौपदी मुर्मू से पहले प्रतिभा देवी सिंह पाटिल राष्ट्रपति पद पर आसीन हो चुके हैं।

द्रौपदी मुर्मू के शपथ लेने के साथ ही पूरा सेंट्रल हॉल तालियों से गूंज उठा। आपको बता दें कि द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के साझा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को हराया था। द्रौपदी मुर्मू स्वतंत्रता के बाद पैदा होने वाली पहली राष्ट्रपति हैं और शीर्ष पद पर काबिज होने वाली सबसे कम उम्र की राष्ट्रपति हैं।राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से पहले द्रौपदी मुर्मू राजघाट पहुंचे थीं जहां उन्होंने महात्मा गांधी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद वे राष्ट्रपति भवन पहुंची जहां उनका स्वागत निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उनकी पत्नी सविता कोविंद ने किया था।

एमपी, हिमाचल सहित देश के इन हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भारी बारिश के बाद अब यूपी, बिहार और झारखंड में मानसून की बारिश रफ्तार पकड़ने वाली है। इन राज्यों में होने वाली बारिश किसानों को राहत देने वाली होगी। वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बारिश की फुहारों ने मौसम को खुशनुमा कर दिया है। दिल्ली एनसीआर में आज राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग की माने तो दिनभर बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की भी संभावना है। दिल्ली में सोमवार और मंगलवार को भी बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं हल्की बरसात होने के भी आसार है। आज अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 और 26 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

इन राज्यों में भारी बारिश की संभावना

स्काईमेट वेदर के मुताबिक सौराष्ट्र और कच्छ में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, ओडिशा और विदर्भ, कोंकण और गोवा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है और पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। उत्तराखंड में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। हरियाणा, उत्तरी पंजाब, बिहार के कुछ हिस्सों, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और गुजरात क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान दिल्ली, एनसीआर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश संभव है। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर प्रदेश में सोमवार को पारे में बढ़त के साथ बादलों की आवाजाही की संभावना जताई गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में 26 जुलाई तक मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। प्रदेश के कई जिलों में 30 जुलाई तक हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान भी है।

द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होंगे सीएम नीतीश कुमार, पटना में ही रहेंगे

नई दिल्ली। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज देश के 15वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ले रही हैं। उनका शपथ ग्रहण समारोह सुबह 10:15 पर संसद भवन के सेंट्रल हॉल में होगा। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री गण, सरकार के प्रमुख असैन्य एवं सैन्य अधिकारी शामिल होंगे। इन सबके बीच इस समारोह से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दूरी बना रखी है। खबर के मुताबिक नीतीश कुमार राष्ट्रपति शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली नहीं पहुंच रहे। इससे पहले रामनाथ कोविंद के विदाई समारोह में भी नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए थे। जबकि नीतीश कुमार को निमंत्रण दिया गया था। खबर के मुताबिक आज शपथ ग्रहण समारोह के दौरान नीतीश कुमार पटना में ही मौजूद रहेंगे। इससे पहले नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले राजघाट स्थित महात्मा गांधी के स्मारक पर सोमवार सुबह पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण संसद भवन के ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल में मुर्मू को देश की 15वीं राष्ट्रपति के रूप में सोमवार को शपथ ग्रहण कराएंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि समारोह सोमवार को सुबह करीब सवा 10 बजे होगा। मंत्रालय ने बताया कि इसके बाद मुर्मू को 21 तोपों की सलामी दी जाएगी और फिर राष्ट्रपति का संबोधन होगा। मुर्मू (64) ने बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को हराकर इतिहास रच दिया।

भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा करें-कोविंद-इससे पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने युवाओं से अपनी जड़ों से जुड़े रहने और देशवासियों से भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि प्रकृति मां गहरी पीड़ा से गुजर रही है और जलवायु संकट इस ग्रह के भविष्य को खतरे में डाल सकता है। राष्ट्र के नाम अपने विदाई संबोधन में उन्होंने कहा कि देश 21वीं सदी को ''भारत की सदी'' बनाने के लिए तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा, ''शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाते हुए हमारे देशवासी सक्षम बन सकते हैं और आर्थिक सुधारों का लाभ लेकर अपने जीवन निर्माण के लिए सर्वोत्तम मार्ग अपना सकते हैं।''

शिवपाल यादव सपा को ऐसे पहुंचा सकते हैं नुकसान, जुदाई के बाद अखिलेश यादव के लिए ये हैं चुनौतियां

लखनऊ। मान-सम्मान के सवाल पर अखिलेश यादव व शिवपाल यादव के लिए राहें पूरी तरह जुदा हो गई हैं लेकिन अब सवाल है कि शिवपाल यादव अगले लोकसभा चुनाव में सपा को कितना नुकसान करेंगे या यूं कहें कि वह भाजपा के लिए सपा के मूल वोट बैंक में कितनी सेंध लगा पाते हैं। अखिलेश यादव के लिए चार चुनाव हार के बाद पांचवां चुनाव जीतने की चुनौती है तो शिवपाल यादव के लिए भी खुद को साबित करने की।

सपा में अखिलेश की राह में भविष्य का संकट खत्म, पर भाजपा से मुकाबला बड़ी चुनौती-शिवपाल खुद को सपा का नेता व विधायक बताते रहे लेकिन सपा ने सहयोगी प्रसपा का नेता मानती रही। यह कश्मकश इसलिए थी कि सपा में अगर जरा भी शिवपाल को सक्रियता दिखाने का मौका मिलता था तो पार्टी के भीतर दो केंद्र बनते देर नहीं लगती। सपा को खड़ा करने का अनुभव व संगठन में पकड़ रखने के चलते शिवपाल भविष्य में खतरा बन सकते थे। अब सम्मान विदा कर सपा ने भविष्य के लिए संकट को दूर करने की कोशिश की है। अखिलेश के लिए यह राहत भरी बात है लेकिन शिवपाल को साथ लेकर वह भाजपा को शिकस्त दे सकते

हैं या शिवपाल के बिना वह ऐसा कर सकते है, यह चुनाव नतीजे बताएंगे।

शिवपाल को खुद को साबित करने की चुनौती-शिवपाल यादव अपनी पार्टी प्रसपा को नए सिरे से मजबूती में लगे हैं। सपा के चक्कर में उनकी पार्टी संगठन के तौर पर तीन -तेरह हो गई है। अब उन्होंने लोकसभा चुनाव अपने बूते लड़ने का ऐलान किया है। उसमें दो साल हैं और अभी यह तय नहीं कि वह भाजपा में शामिल होकर सहयोग करेंगे या गठबंधन करके या फिर वह कोई और मोर्चा बनाने की जुगत में लगेंगे। पर हर हाल में उन्हें अपनी ताकत साबित करनी होगी। पिछले लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई। वह खुद भी लोकसभा चुनाव हार गए। पर इतना जरूर हुआ कि यादव बाहुल्य कई सीटों पर प्रसपा की मौजूदगी से सपा को नुकसान हुआ।

सपा कर रही भाजपा की रणनीति को नाकाम करने की कोशिश विधानसभा चुनाव बाद शिवपाल यादव और ओम प्रकाश राजभर जब भी सपा नेतृत्व पर तंज भरे हमले करते थे तो भाजपा इस बहाने सपा को घेरती थी। भाजपा का आरोप रहता था कि सपा के सहयोगी ही उस पर सवाल उठा रहे हैं या पार्टी में चाचा का सम्मान नहीं हो रहा है। अब इन दोनों नेताओं को निकाले बिना कहीं भी जाने की छूट वाला संदेश देकर सपा ने इस मुद्दे पर खुद के बचाव की कोशिश की है। अब चूंकि दोनों दूर हो चुके हैं, ऐसे में सपा पर इनका सम्मान न करने की बात में दम नहीं रह जाएगा।

24 घंटे में कोरोना वायरस 16,866 नए मामले, 41 और लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 16,866 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,39,05,621 हो गई। देश में 168 दिन बाद दैनिक संक्रमण दर सात प्रतिशत के पार पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से 41 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,26,074 हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,50,877 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.34 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,323 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.46 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 7.03 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.49 प्रतिशत है। देश में अभी तक 87.27 करोड़ से अधिक नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है, जिनमें से 2,39,751 लोगों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई। देश में अभी तक कुल 4,32,28,670 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 202.17 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

बाराबंकी में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसा, 9 की मौत, तीन दर्जन घायल

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। बिहार के सीतामढ़ी जनपद से दिल्ली जा रही वोल्वो बस पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर पहले से खड़ी बस में जा घुसी। भोर में 4:00 बजे हुए हादसे में वोल्वो सवार 9 यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। तीन दर्जन से अधिक बस यात्री घायल हो गए। घायलों को सीएचसी त्रिवेदीगंज, सीएचसी हैदर गढ़ और सीएचसी गोसाईगंज भेजा गया। गंभीर रूप से घायल एक दर्जन यात्रियों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। बिहार के सीतामढ़ी से दिल्ली जा रही थी बस - वॉल्वो बस संख्या यूपी 17 एटी 1353 जनपद सीतामढ़ी (बिहार) मैं जनकपुरी रोड पर

भोर में 4:00 बजे हुए हादसे में वोल्वो सवार 9 यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। तीन दर्जन से अधिक बस यात्री घायल हो गए। घायलों को सीएचसी त्रिवेदीगंज, सीएचसी हैदर गढ़ और सीएचसी गोसाईगंज भेजा गया।

स्थित पुपरी कस्बे से दिल्ली के लिए रविवार को रवाना हुई थी। वोल्वो बस सोमवार की भोर में 4:00 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर लोनी कटरा थाना क्षेत्र के दयाराम पुरवा गांव के पास पहले से किनारे खड़ी बस मैं जा घुसी। दूसरी बस नंबर यूपी 81 डीटी 1580 भी बिहार से दिल्ली जा रही थी। दयाराम पुरवा के पास बस चालक ने गाड़ी रोक दी और उसके अधिकांश यात्री वही खुले यूपी डाक की कैंटीन में बैठकर चाय नाश्ता करने लगे। इसी दौरान यह दर्दनाक हादसा हुआ। हादसे में वोल्वो बस पर सवार दो महिला एक बच्ची समेत कुल 9 लोगों की मौत हो गई। 3 दर्जन से अधिक बस यात्री घायल हो गए। बस में बैठे अधिकांश यात्री भोर में सो रहे थे। तेज धमाके पर आंख खुली तो हर एक व्यक्ति लहूलुहान था।

पार्थ चटर्जी के गिरफ्तारी मेमो में ममता बनर्जी का जिक्र, नाम और मोबाइल नंबर शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय भूचाल मचा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में राज्य के उद्योग और वाणिज्य मंत्री पार्थ चटर्जी को शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। उनकी करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी की भी गिरफ्तारी हुई थी। इस मामले में एक और खबर सामने आई जब कई गिरफ्तारी के बाद कई बार संपर्क करने पर भी पार्थ चटर्जी मुख्यमंत्री से संपर्क नहीं कर पाए। इसी बीच बताया गया कि इसके बावजूद भी उनकी गिरफ्तारी मेमो में ममता बनर्जी का नाम और मोबाइल नंबर मिला है।

चटर्जी के लिए ममता ही उम्मीद की किरण!

दरअसल, शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार हुए तृणमूल कांग्रेस के नेता पार्थ चटर्जी से उनकी पार्टी ने भले ही दूरी बना ली हो, लेकिन चटर्जी के लिए तृणमूल सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अभी भी उम्मीद की किरण बनी हुई हैं और इसीलिए उनके गिरफ्तारी मेमो में ममता

का जिक्र किया गया है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने यह जरूर कह दिया कि इस पूरे मामले की जिम्मेदारी पार्थ चटर्जी के पास है ना कि पार्टी के पास है।

गिरफ्तारी मेमो में ममता बनर्जी का जिक्र

असल में किसी की भी गिरफ्तारी करते समय प्रवर्तन निदेशालय एक अरेस्ट मेमो जारी करने की प्रक्रिया का पालन करती है। उस प्रक्रिया में जिस व्यक्ति को गिरफ्तार करती है उसका नाम और संपर्क नंबर रहता है। साथ ही में जिसे वह हिरासत में रहते हुए संपर्क करना चाहेगा उस व्यक्ति का भी नाम और संपर्क नंबर का विवरण का उल्लेख अरेस्ट मेमो में किया जाता है। और पार्थ चटर्जी ने अरेस्ट मेमो में ममता बनर्जी के नाम और मोबाइल नंबर का उल्लेख किया हुआ है।

कोशिश के बाद भी नहीं हो पाया संपर्क-हालांकि इससे पहले एक दिलचस्प घटनाक्रम में जब पार्थ चटर्जी को अरेस्ट किया गया तो बाद में मेडिकल चेकअप के लिए ले जाने के दौरान चटर्जी ने कह दिया कि मैंने कोशिश की लेकिन मैं अभी तक अपनी शीर्ष नेता ममता बनर्जी से संपर्क नहीं कर पाया हूं। सूत्रों के मुताबिक पार्थ चटर्जी ने ममता को कई बार फोन किया लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

पार्टी ने स्पष्ट कर दिया अपना रुख-उधर इस पूरे मामले के बाद तृणमूल कांग्रेस के चार शीर्ष नेताओं ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और घोषणा की कि पूरे मामले की जिम्मेदारी चटर्जी के पास है, ना कि पार्टी पर है। पार्टी नेतृत्व की तरफ से यह भी स्पष्ट किया कि अगर चटर्जी जांच के अंत में दोषी पाए जाते हैं, तो वह उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने से नहीं हिचकेंगे।

थल सेना की उत्तरी कमान के कमांडर ने कश्मीर में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया

उधमपुर(जम्मू कश्मीर)। थल सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को कश्मीर घाटी में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया और सैनिकों को संघर्ष में सीखे गये सबक याद रखने की सलाह दी। उत्तरी कमान के रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल ने अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि कश्मीर घाटी के दो दिवसीय दौरे से लौटने के बाद जनरल द्विवेदी ने चिनार कोर के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह औजला के साथ अमरनाथ यात्रा के उत्तरी मार्ग का दौरा किया और नीलगरार-बालटाल-दोमेल-बरारीमार्ग-संगम-पवित्र गुफा मार्ग पर यात्रा की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल औजला ने लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी को कश्मीर घाटी की समग्र सुरक्षा स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उत्तरी कमान के प्रमुख ने नीलगरार (सोनमर्ग) पर करगिल विजय दिवस मोटरसाइकिल रैली में भाग लेने वालों से भी बातचीत की। प्रवक्ता ने बताया कि करगिल विजय दिवस 2022 समारोह के तहत मोटरसाइकिल रैली करगिल की ओर बढ़ गई है।

पुणे में एक छोटा प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त, महिला पायलट घायल

मुंबई। पुणे जिले में एक सीट वाला छोटा प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार महिला पायलट घायल हो गईं। पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसा पूर्वान्ह करीब साढ़े 11 बजे इंदापुर तहसील के कदबनवाड़ी में हुआ। निजी विमानन स्कूल के इस विमान ने पुणे के बारामती हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। अधिकारी ने बताया कि पायलट भावना राठौड़ को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि विमान क्षतिग्रस्त हो गया है।

अब तक 2.25 लाख तीर्थयात्री कर चुके हैं अमरनाथ के दर्शन, 30 जून से शुरू हुई थी यात्रा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में इस साल एक बार फिर से अमरनाथ यात्रा को दो साल के बाद शुरू किया गया था। यह 30 जून से शुरू हुई थी। अब तक अब तक 2.25 लाख से अधिक यात्री इस पवित्र गुफा में बने हिम शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। ताजा खबर के मुताबिक आज ही जम्मू स्थित आधार शिविर से 3,800 से अधिक तीर्थयात्रियों का 25वां जत्था दक्षिण कश्मीर में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। 125 वाहनों के काफिले में कुल 3,862 तीर्थयात्री केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कड़ी सुरक्षा के बीच भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुए। पहले 46 वाहनों में 1,835 तीर्थयात्री बालटाल के लिए भगवती नगर शिविर से रवाना हुए और इसके बाद 79 वाहनों में 2,027 यात्री पहलगाम रवाना हुए। अधिकारियों के नुताबिक अभी तक 2.25 लाख से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में बने हिम शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 43 दिन की वार्षिक यात्रा दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से 30 जून को शुरू हुई थी। अभी तक 135,585 तीर्थयात्री भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हो चुके हैं। यात्रा 11 अगस्त को रक्षाबंधन पर समाप्त होगी। यात्रा के दौरान अभी तक 36 लोगों की विभिन्न वजहों से मौत हो चुकी है। इनके अलावा आठ जुलाई को गुफा मंदिर के पास अचानक आई बाढ़ में 15 तीर्थयात्रियों की जान चली गई थी। दूसरी ओर थल सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कश्मीर घाटी में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया और सैनिकों को संघर्ष में सीखे गये सबक याद रखने की सलाह दी। उत्तरी कमान के रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल ने अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण से प्रभावित हुए अशोक गहलोत, कहा- मैंने उनके एक-एक शब्द सुने हैं

जयपुर। द्रौपदी मुर्मू भारत के 15वें राष्ट्रपति हैं। उन्होंने आज इस पद की शपथ ली है। इसके साथ ही उन्होंने देशवासियों को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में द्रौपदी मुर्मू ने गरीब कल्याण से लेकर देश के विकास तक की बातों पर चर्चा की। साथ ही साथ इस देश के लोकतंत्र को भी मजबूत बताते हुए कहा कि इसी की वजह से मुझे जैसे सुदूर रहने वाले लोग भी इस संवैधानिक पद पर पहुंच सकते हैं। द्रौपदी मुर्मू ने अपने भाषण में कई सारे अहम पहलुओं को भी छुआ।

द्रौपदी मुर्मू के भाषण को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का भी बयान सामने आ गया है। अशोक गहलोत ने द्रौपदी मुर्मू के भाषण को बेहद प्रभावी बताया है। अपने बयान में अशोक गहलोत ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण के एक-एक शब्द से मैं बहुत प्रभावित हुआ हूं। उन्होंने कहा कि एक आदिवासी महिला ने जो अपनी भावना प्रकट की है वो तारीफ के काबिल है। जो उन्होंने आज देश के सामने प्रण लिया है मैं उम्मीद करता हूं कि वे इस पर खरी उतरेंगी। इससे पहले अशोक गहलोत ने द्रोपदी मुर्मू को चुनावी जीत पर भी बधाई दी थी। तब उन्होंने कहा था कि श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को भारत की राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आशा है श्रीमती मुर्मू भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने के संवैधानिक दायित्व का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि राष्ट्रपति के पद तक पहुंचना उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारत के प्रत्येक गरीब की उपलब्धि है और उनका शीर्ष संवैधानिक पद पर निर्वाचन इस बात का सबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है। संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह में आज भारत के प्रधान न्यायाधीय एन वी रमण ने मुर्मू को देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे राष्ट्रपति के रूप में देश ने एक ऐसे महत्वपूर्ण कालखंड में चुना है जब हम अपनी आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। आज से कुछ दिन बाद ही देश अपनी स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे करेगा।

राज्यपाल पद और राज्यसभा सीट की फर्जी पेशकश करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राज्यसभा सीट और राज्यपाल पद दिलाने के झूठे वादे को लेकर लोगों से कथित तौर पर सौ करोड़ रुपये की ठगी करने की कोशिश करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर उसके चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जांच एजेंसी ने इस मामले में हालमें कई जगहों पर छापेमारी की और गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के मुताबिक, तलाशी अभियान के दौरान एक आरोपी सीबीआई अधिकारियों पर हमला कर फरार होने में कामयाब रहा। उन्होंने बताया कि फरार आरोपी के खिलाफ जांच एजेंसी के अधिकारियों पर हमला करने के आरोप में स्थानीय पुलिस थाने में एक अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिकी में सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर जिले के रहने वाले कमलाकर प्रेमकुमार बंदगर, कर्नाटक के बेलगाम निवासी रवींद्र विट्ठल नाइक और दिल्ली-एनसीआर के रहने वाले महेंद्र पाल अरोड़ा, अभिषेक बूरा व मोहम्मद एजाज खान को नामजद किया है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि बंदगर खुद को एक वरिष्ठ सीबीआई अधिकारी के रूप में पेश करता था और उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ अपने 'संबंधों' का हवाला देते हुए बूरा, अरोड़ा, खान और नाइक से कोई भी ऐसा काम लाने को कहता था, जिसे वह भारी-भरकम रकम के एवज में पूरा करवा सकता है। प्राथमिकी के मुताबिक, आरोपियों ने 卐राज्यसभा की सीट दिलवाने, राज्यपाल के रूप में नियुक्ति करवाने और केंद्र सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों के अधीन आने वाली विभिन्न सरकारी संस्थाओं का अध्यक्ष बनवाने का झूठा आश्वासन देकर आम लोगों से भारी-भरकम राशि ऐंठने के गलत इरादे से卐 साजिश रची। प्राथमिकी के अनुसार, सीबीआई को अपने सूत्र से पता चला कि बूरा ने बंदगर से चर्चा की थी कि कैसे नियुक्तियों में 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभाने वाले उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ बूरा के कथित संबंधों का इस्तेमाल काम निकलवाने के लिए किया जा सकता है। इसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपी सौ करोड़ रुपये के एवज में राज्यसभा की उम्मीदवारी दिलवाने के झूठे वादे के साथ लोगों को ठगने की कोशिशों में जुटे थे। प्राथमिकी के मुताबिक, सीबीआई को सूचना मिली थी कि आरोपी वरिष्ठ नौकरशाहों और राजनीतिक पदाधिकारियों के नाम का इस्तेमाल करेंगे, ताकि किसी काम के लिए उनसे संपर्क करने वाले ग्राहकों को सीधे या फिर अभिषेक बूरा जैसे बिचौलिए के माध्यम से प्रभावित किया जा सके।

आदित्य ठाकरे को करारा झटका! मोदी सरकार के रडार पर आया ये फैसला

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे की ऐतिहासिक बगावत के बाद पार्टी दो धड़ों में बंटी नजर आ रही है। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अब कमर कस ली है और आदित्य ठाकरे भी सक्रिय हो गए हैं। शिवसेना और शिंदे गुटों के बीच तकरार भी दिन-ब-दिन तेज होती दिख रही है। इसमें शिंदे-फडणवीस सरकार आने के बाद महाविकास अघाड़ी ठाकरे सरकार के कई फैसलों को निलंबित कर दिया गया है। इसमें प्रशासन को आरे कारशेड समेत करोड़ों का फंड रोकने का निर्देश दिया गया है।

इसके बाद अब कहा जा रहा है कि महाविकास अघाड़ी की ठाकरे सरकार में पूर्व पर्यावरण और पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे के कुछ फैसले केंद्र की मोदी सरकार के निशाने पर आ गए हैं। इतना ही नहीं, यह भी कहा जा रहा है कि इन फैसलों का ऑडिट किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री के तौर पर आदित्य ठाकरे के काम की अक्सर तारीफ होती थी। मोदी सरकार पिछले ढाई साल के दौरान पर्यावरण मंत्री के रूप में आदित्य ठाकरे द्वारा लिए गए फैसलों और कार्यों का ऑडिट करेगी। केंद्र सरकार विशेष रूप से महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मामलों का ऑडिट करने जा रही है।

ऐसे में अब महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों में चिंता का माहौल है। कर्मचारियों और अधिकारियों ने यह उम्मीद जताई है कि बोर्ड के प्रबंधन को लेकर कुछ नए सुझाव और उपाय हों तो अच्छा होगा, लेकिन बोर्ड बदनामी का मालिक न बने। कहा जाता है कि केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र प्रदूषण बोर्ड के मामलों का ऑडिट भी शुरू कर दिया है। पहले चरण में मुख्यालय के साथ नागपुर कार्यालय भी शामिल है। उसके बाद खाता प्रमुख को चरणबद्ध तरीके से अन्य विभागीय कार्यालयों का ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्तार अंसारी के बड़े भाई बसपा सांसद अफजाल अंसारी की 15 करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई

लखनऊ । पांच बार के विधायक और हिस्ट्रीशीटर मुख्तार अंसारी बांदा जेल में बंद है। लेकिन अब बाहुबली के परिवार पर भी योगी सरकार का शिकंजा कस रहा है। पहले मुख्तार के सांसद भाई अफजाल अंसारी की करोड़ों की संपत्ति को कुर्क किया गया और अब बाहुबली मुख्तार के विधायक बेटे अब्बास अंसारी को यूपी पुलिस तलाश रही है। उसकी तलाश में कई जगह छापेमारी भी की गई है। अब्बास फरार बताया जा रहा है। अब्बास के खिलाफ अवैध तरीके से शस्त्र लाइसेंस रख दिल्ली ट्रांसफर करने का मामला दर्ज है। जिसके बाद मऊ से सपा विधायक अंसारी की तलाश में पुलिस ने दबिश डालना शुरू कर दिया है। इसके पहले बीते दिनों गाजीपुर पुलिस ने मुख्तार अंसारी के बड़े भाई अफजल की 15 करोड़ रुपये की चार संपत्ति कुर्क की है। मुख्तार अंसारी के भाई गाजीपुर से बसपा सांसद हैं। उनकी संपत्तियों को आज भारी पुलिस बल और राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में कुर्क किया गया। माचा गांव में गाजीपुर के एसपी रोहन पी बोत्रे और सब डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) हर्षिता तिवारी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। गाजीपुर पुलिस ने मुख्तार अंसारी के बड़े भाई और गाजीपुर से बसपा सांसद अफजल की संपत्ति कुर्क की। कुर्की भारी पुलिस बल और राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद गाजीपुर डीएम ने यह कार्रवाई की। एसपी बोत्रे ने कहा कि यूपी गैंगस्टर्स और असामाजिक अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक कुर्की आदेश जारी कर बाद में कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा, हमने चार जमीन कुर्क की हैं।

श्रद्धांजलि : शहादत दिवस पर याद की गई बहुजन वीरांगना फूलन देवी

बरहज, देवरिया ।

निषादवंसियों ने सोमवार को वीरांगना फूलन देवी का शहादत दिवस मनाया और श्रद्धांजलि दी । जिसमें समाज के लोगों को शिक्षित और संगठित होकर न्याय के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया गया । इस अवसर पर निषाद जीतेन्द्र भारत ने कहा कि बहुजन विरांगना महान फूलन देवी का शहादत दिवस है । आज ही के दिन 25 जुलाई 2001 को एक सामंतवादी हत्यारे ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी । फूलन देवी एक ऐसी महिला जिन्हीने अपने जीवन में कभी हार नहीं मानी । श्री भारत ने कहा कि मशहूर टाइम पत्रिका ने विश्व की 16 क्रांतिकारी महिलाओं में वीरांगना फूलन देवी को चौथे स्थान पर रखा । देश और दुनिया के हर एक महिला को फूलन देवी पर गर्व है । फूलन देवी महज नाम नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ विद्रोह की क्रांतिकारी कहानी है । वो भले ही इस दुनिया में नहीं हैं पर हमारें विचारों में फूलन देवी आज भी जिंदा है द्ध चिंतामणि साहनी ने कहा कि पूर्व सांसद फूलन देवी जातिवादी, पुरुष प्रधान समाज से अन्याय व अत्याचार को उखाड़ फेंकने के लिए दस्यु बनकर सामना किया । सांसद बनने के बाद भी शोषितों, वंचितों, पिछड़ों व खासकर महिलाओं के हक के लिए संघर्ष करतीं रहीं । राजनितिक साजिश की शिकार हुई फूलन देवी के हत्या की सीबीआई जाँच करायी जाय । इस दौरान सूरज प्रसाद निषाद, मुक्तिनाथ निषाद, अर्जुन जायसवाल, अनिल सोनकर, रामधनी निषाद, बृजानंद निषाद, वृजभूषण यादव, राजकेश्वर निषाद व घनश्याम केशरी आदि उपस्थित रहें ।

बिजनौर में माहौल खराब करने की बड़ी साजिश नाकाम, भगवा गमछा लपेटे दोनों युवक गिरफ्तार, मजारों में की थी तोड़फोड़

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के बिजनौर में भगवा गमछा पहनकर दो युवकों ने माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया। ऐसे में पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए दोनों युवाओं को तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, युवाओं ने 3 मजारों में तोड़फोड़ की और चादर को क्षति पहुंचाई। इन युवकों पर प्रदेश का माहौल बिगाड़ने का आरोप है। हालांकि पुलिस ने बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है।

इस मामले को लेकर एडीजी (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार का बयान सामने आया। जिसमें उन्होंने दोनों युवकों को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, एडीजी (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि अगर पुलिस और प्रशासन सतर्क नहीं होता तो बड़ी घटना हो सकती थी। हमने संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। उनको न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

युवकों से हो सकती है पूछताछ

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों से एसटीएफ पूछताछ कर सकती है। इन युवकों पर प्रदेश का माहौल बिगाड़ने का आरोप है। मजार में तोड़फोड़ करने वाले दोनों युवक एक-दूसरे के भाई बताए जा रहे हैं। जिनके नाम मोहम्मद कामिल और मोहम्मद आबिद है।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के पड़ोसी बने पूर्व राष्ट्रपति कोंविद, मिलेगी डेढ़ लाख रुपए मासिक पेंशन और कई सुविधाए

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। वह देश के 15वीं राष्ट्रपति बनी हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का स्थान लिया है। कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो गया था। पद छोड़ने के साथ ही कोविंद के आवास और मिलने वाली सुविधाओं में भी बदलाव हो गया। अब सवाल है कि पूर्व राष्ट्रपति के नाते कोविंद को क्या-क्या सुविधाएं मिलेंगी? दरअसल, संविधान में प्रेसिडेंट एलुमिनेट्स एक्ट 1951 में पूर्व राष्ट्रपतियों को मिलने वाली सुविधाओं का जिक्र किया गया है। इसी के तहत पूर्व राष्ट्रपति को किसी भी प्रकार की सुविधा दी जाती है।

कोविंद दिल्ली के सबसे बड़े बंगलों में से एक 12 जनपद में रहने वाले हैं। यहां वर्षों तक रामविलास पासवान रहते थे। अगर रामनाथ कोविंद 12 जनपद में रहते हैं, तब वह कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के पड़ोसी बन गए हैं। बता दें कि 12 जनपद में टाइप ए बंगला है जिसमें 8 कमरे हैं। हाउसकीपर्स के लिए अलग से क्वार्टर है। इसके अलावा कोविंद को डेढ़ लाख रुपए मासिक पेंशन दी जाएगी। उनकी पत्नी को 30000 रुपये की मासिक सचिवीय सहायता मिलेगी। कोविंद को दो लैंडलाइन, एक मोबाइल फोन, इंटरनेट कनेक्शन, मुफ्त पानी और बिजली की भी सुविधा मिलेगी। उनके साथ दो सचिव रहने वाले हैं, और उन्हें दिल्ली पुलिस की सुरक्षा प्राप्त होगी पूर्व राष्ट्रपति को आजीवन मुफ्त में मेडिकल ट्रीटमेंट की सुविधा मिलेगी।

शांति सद्भावना मंच का नेतृत्व किया रामकिशोर चौहान ने भारी संख्या में ग्रामीण कार्यक्रम में शामिल

रविवार को टेकुआ चौराहे के पास शांति सद्भावना मंच के नेतृत्व में ग्राम पंचायत तेनुआ चौबे पंचायत भवन पर एक दिवसीय मंच के अध्यक्ष, एवं सचिव के साथ भारतीय संविधान के मूल्यों पर आधारित मौलिक अधिकारों, मूल कर्तब्यों, प्रस्तावना, सहित विभिन्न अधिकारों के बारे मे प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 40 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित कर उन्हें जागरूक किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रा ,पत्रकार एशियोएसन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार चौरसिया ने कहा कि यह मंच ग्राम पंचायतों में गठन के माध्यम से कौमी एकता, प्रेम सौहार्द ,समता मूलक समाज निर्माण में अपना योगदान दे रहा है, और सभी प्रतिभागियों को भारतीय संविधान के प्रति अपने अधिकारों, कर्तब्यों को जानने का रास्ता दिखा रहा है।जिससे समाज निर्माण एवं देश हित में अपना योगदान दे सके।

मंच के राज्य समन्वयक रामकिशोर चौहान ने कहा कि मंच द्वारा हम सभी लोग मिलजुलकर राषटीय एकता ,सामाजिक न्याय, पर आधारित समता मूलक समाज को बेहतर बनाने के लिए एक दुसरो के साथ वसुधैव कुटुम्बकम को चरितार्थ कर देश के साझा संस्कृति साझा विरासत, तथा गंगा जमुनिह तहजीब ,बनाये रखने के लिए देश के विभिन्न समुदायों के विभिन्न भाषाओं, बोलियों, कलाकीर्तियो का समावेश है जो अनेकता में एकता दिखाई देता है।यही भारतीय संविधान का खूब सुरती का मिशाल है।प्रशिक्षण में मुख्य रूप से दयालू ,विशाल ,असल ,सीमा ,भीमकुमार, नन्दलाल प्रजापति ,मनोज चौरसिया ,रामज्ञान ग्राम प्रधान, राजकुमार ,शिवानन्द चौहान, चन्द्रमोहन ,महेश ,सन्ध्या देवी ,प्रतिभा सिंह, मुनिया देवी ,आदि लोग उपस्थित रहे।मंच के राज्य समन्वयक श्री चौहान ने मुख्य अतिथि के द्वारा मंच के अध्यक्ष और सचिव को अंग बस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

अपने परिवार को संभाल नहीं सके अखिलेश यादव, हमको क्या संभालेंगे: राजभर

लखनऊ (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी से अलग होने के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने फिर से अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार किया है। राजभर ने अखिलेश से परिवार को नहीं संभालकर रख पाने का आरोप लगाकर कहा कि 2024 में किसी भी दल के साथ मिलकर गठबंधन करने में कोई परहेज नहीं होने की बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया की आने वाले वक्त में बसपा के साथ मिलकर राजनीति कर सकते हैं। राजभर ने साफ किया की सपा और सुभासपा दोनों पार्टियों की तरफ से अब रास्ते अलग-अलग हो गए हैं।

राजभर ने अखिलेश को निशाने पर लेकर कहा कि ठीक है, वह कहता है कि मैं गलत हूं। लेकिन शिवपाल उसके चाचा हैं। मैं तब मानने वाला चाचा हूं। शिवपाल तब उनके सगे चाचा हैं। अपने चाचा को नहीं संभाल पा रहे हैं। अपर्णा यादव का नाम लेकर राजभर ने कहा कि अखिलेश अपनी भाभी को नहीं संभाल पा रहे हैं। अपने परिवार को नहीं संभाल पा रहे हैं, तब वहां हमको क्या संभाले। बता दें कि अपर्णा मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के पुत्र प्रतीक यादव की पत्नी हैं, जिन्होंने हाल ही में बीजेपी का दामन थाम लिया है।

राजभर से पूछा कि ये सब जानकर भी आप सपा के साथ गए थे, तब मजाकिया लहजे में प्रतिक्रिया देकर राजभर ने कहा कि जानकर भी लोग कभी-कभी जहर खा लेते हैं। इससे पहले भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर मुस्लिम समाज को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का डर दिखाकर उनका वोट लेने और उसे उसका हक नहीं देने का आरोप लगाया था।

राजस्थान में बारिश का दौर जारी, दक्षिणी हिस्सों में विशेष सक्रिय रहेगा मानसून

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान में मानसूनी बारिश का दौर जारी है जहां बीते 24 घंटे में कई जगह भारी तो अधिकांश इलाकों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार सुबह तक बीते चौबीस घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक नौ सेंटीमीटर बारिश अजमेर में दर्ज की गई। इसके अलावा टोंक के अलीगढ़ में सात सेंटीमीटर, भीलवाड़ा के आसींद में छह सेंटीमीटर, प्रतापगढ़ में पांच सेंटीमीटर, करौली के सपोटरा व जयपुर के बस्सी में चार-चार सेंटीमीटर बारिश हुई। इस दौरान राज्य के बांसवाड़ा, सवाई माधोपुर, राजसमंद, झालावाड़, सिरोही, डूंगरपुर, गंगानगर, बीकानेर, नागौर व जालौर जिलों में अनेक जगह हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राजधानी जयपुर में हल्की-फुल्की फुहारों के साथ सोमवार सुबह भी बादल छाये रहे। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार मानसून 'ट्रफ लाइन' (कम दबाव वाले क्षेत्र को जोड़ने वाली रेखा) अभी राज्य के दक्षिणी भागों से होकर गुजर रही है। जिससे आगामी दो दिन तक राज्य के दक्षिणी भागों में मानसून विशेष सक्रिय रहेगा। इस दौरान जोधपुर, कोटा, अजमेर व उदयपुर संभाग के जिलों में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। जबकि भरतपुर, जयपुर व बीकानेर संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश का दौर जारी रहेगा।

अंतरिक्ष स्टेशन को लेकर चीन का बड़ा कदम, तीन अंतरिक्ष यात्रियों ने प्रयोगशाला के मॉड्यूल में सफलतापूर्वक किया प्रवेश

बीजिंग। चीन के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन में मौजूद उसके तीन अंतरिक्ष यात्री सोमवार को अपने देश की प्रयोगशाला के मॉड्यूल में सफलतापूर्वक प्रवेश कर गए। आधिकारिक मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। चीन ने वेंटियन नामक अपनी अंतरिक्ष प्रयोगशाला रविवार को शुरू की। चीन देश के अब तक के सबसे बड़े अंतरिक्ष यान को तियांगोंग नामक अंतरिक्ष स्टेशन का हिस्सा बनने के लिए पृथ्वी की कक्षा में भेज रहा है जो वर्तमान में निर्माणाधीन है। नियोजित कक्षा में प्रवेश करने के बाद सोमवार को तड़के अंतरिक्ष स्टेशन के सामने वाले हिस्से के साथ वेंटियन मॉड्यूल को संबद्ध किया गया। पहली बार चीन के दो 20-टन-स्तर के अंतरिक्ष यान ने कक्षा में संबद्ध होते हुए डॉकिंग प्रक्रिया का संचालन किया है। यह भी पहली बार है कि अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवास के दौरान अंतरिक्ष में मुलाकात और डॉकिंग प्रक्रिया संपन्न हुई। ''चाइना मेन्ड स्पेस एजेंसी'' (सीएमएसए) ने आधिकारिक मीडिया को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, डॉकिंग के बाद, अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण कर रहे तीन अंतरिक्ष यात्रियों ने प्रयोगशाला में प्रवेश किया। मिशन के योजनाकारों ने कहा कि आने वाले हफ्तों में, वेंटियन की एक रोबोट उपकरण के माध्यम से जगह बदली जाएगी और नयी जगह पर आने के बाद यह वहीं रहेगी तथा दीर्घकालिक संचालन के लिए तैयार होगी। चाइना डेली की खबर में बताया गया है कि नया लैब मॉड्यूल कोर मॉड्यूल के बैकअप और एक शक्तिशाली वैज्ञानिक प्रयोग मंच के रूप में काम करेगा।

जापान में ज्वालामुखी विस्फोट से भारी तबाही, इन दो शहरों को कराया गया खाली

तोक्यो। जापान के मुख्य दक्षिणी द्वीप क्यूशू में एक ज्वालामुखी में विस्फोट के कारण उससे सटे दो शहरों को खाली करा लिया गया है और दर्जनों लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। ज्वालामुखी में विस्फोट के कारण रात के समय राख और बड़े-बड़े पत्थर निकलते दिखे। कागोशिमा के दक्षिणी प्रान्त में रविवार रात सकुराजिमा ज्वालामुखी से 2.5 किलोमीटर (1.5 मील) दूर बड़ी चट्टानें गिरीं। जापान के सार्वजनिक टेलीविजन 'एनएचके' के फुटेज में क्रेटर के पास नारंगी रंग की लपटें उठती दिख रही हैं और पहाड़ की चोटी के ऊपर राख के साथ गहरा धुंआ दिखाई दे रहा है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने विस्फोट की चेतावनी को पांच के उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया और ज्वालामुखी विस्फोट के कारण दो शहरों में 51 निवासियों को अपने घर छोड़ने की सलाह दी। कागोशिमा शहर की खबर के अनुसार, सोमवार को सुबह तक उनमें से 33 ने क्षेत्र के एक सुरक्षित स्थान पर शरण लेने के लिए अपने-अपने घरों को छोड़ दिया। एनएचके ने कहा कि अन्य लोगों को दूसरे स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है। उप मुख्य कैबिनेट सचिव योशीहिको इसोजाकी ने संवाददाताओं से कहा, ''हम लोगों की जान बचाने को वरीयता देंगे और स्थिति का आकलन करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे।'' उन्होंने निवासियों से अपने जीवन की रक्षा के लिए स्थानीय अधिकारियों से समय-समय पर मिलने वाली जानकारी पर पूरा ध्यान देने का आह्वान किया। आपदा की वजह से अब तक हुए नुकसान या हताहतों की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। ज्वालामुखी का गड्ढा सोमवार की सुबह खराब मौसम के चलते छिप गया था। जेएमए ने क्रेटर के तीन किलोमीटर के भीतर ज्वालामुखी चट्टानों के गिरने और दो किलोमीटर के भीतर लावा, राख और गैस के संभावित प्रवाह की चेतावनी दी है। सकुराजिमा तोक्यो से लगभग 1,000 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 2023 से 2033 के बीच नेपाल यात्रा दशक मनाया जाएगा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने रविवार को घोषणा की कि 2023 से 2033 के बीच नेपाल यात्रा दशक मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित देश के पर्यटन क्षेत्र में नयी जान फूंकना है। संस्कृति, पर्यटन और उड्डयन मंत्री जीवनराम श्रेष्ठ ने पर्यटन को उबारने के लिए 73 सूत्रीय कार्य योजना भी जारी की। मंत्री ने कहा कि कार्ययोजना के तहत सरकार विदेशी फिल्म निर्माताओं और कलाकारों को नेपाल में शूटिंग के लिए आकर्षक छूट देगी। सरकार निकट भविष्य में दक्षिण एशियाई देशों के पर्यटन मंत्रियों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित करेगी। कार्ययोजना में काठमांडू घाटी के भीतर काठमांडू, कीर्तिपुर, ललितपुर, भक्तपुर में रात में विरासत स्थलों की सैर शुरू करना भी शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि विदेशी मुद्रा का एक महत्वपूर्ण स्रोत नेपाल का पर्यटन क्षेत्रकोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। उन्होंने कहा कि हालांकि,इस साल कोविड के मामलों में गिरावट शुरू होने के बाद से प्रति माह 50,000 से अधिक पर्यटक नेपाल की यात्रा कर रहे हैं।

मानवाधिकार संगठन ने गोटबाया राजपक्षे को गिरफ्तार करने की मांग की

सिंगापुर/जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के एक मानवाधिकार समूह ने श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सिंगापुर में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। श्रीलंका में लिट्टे के विरुद्ध दशकों तक चले गृहयुद्ध में राजपक्षे की भूमिका को लेकर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की गई है। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को छोड़ने के बाद राजपक्षे फिलहाल सिंगापुर में हैं। उन्हें सिंहली बौद्ध बहुसंख्यक जनता युद्ध का नायक मानती है लेकिन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) और उसके प्रमुख प्रभाकरन के खात्मे में राजपक्षे की भूमिका को लेकर कुछ लोग उन्हें मानवाधिकार हनन का दोषी मानते हैं। दक्षिण अफ्रीका के 'इंटरनेशनल ट्रुथ एंड जस्टिस प्रोजेक्ट' (आईटीजेपी) के वकीलों ने सिंगापुर के महान्यायवादी को एक आपराधिक शिकायत सौंपते हुए युद्ध अपराध के लिए 73 वर्षीय राजपक्षे को गिरफ्तार करने की मांग की है।

मुस्लिम अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर तुर्की के राष्ट्रपति ने यूनान पर निशाना साधा

इस्तांबुल। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन ने यूनान के थरेस क्षेत्र में बसे मुस्लिम अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन करने को लेकर रविवार को एथेंस की आलोचना की। लौसाने संधि की 99वीं वर्षगांठ पर एर्दोआन ने एथेंस पर आरोप लगाया कि वह यूनान के थरेस क्षेत्र में निवास करने वाले मुस्लिम अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन कर रहा है। थरेस में रहने वाले मुसलमान प्रांत की आबादी का करीब 32 फीसदी हिस्सा हैं, उनके अलावा प्रांत में तुर्क, रोमा और बुल्गारियाई भाषी पोमाक निवास करते हैं। राष्ट्रवादी नेता ने कहा, ''संधि में उल्लिखित शर्तें, विशेष रूप से तुर्क अल्पसंख्यकों के अधिकारों को नजरअंदाज किया जा रहा है या फिर जानबूझकर उन्हें खत्म किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे देश के लिए इस हालात को स्वीकार करना संभव नहीं है, यह अच्छे पड़ोसियों के बीच संबंधों के लिए सही नहीं है।

गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन की पत्नी से मस्क के संबंध, मस्क ने इन खबरों का किया खंडन

न्यूयॉर्क । गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन की पत्नी के साथ टेस्ला के मालिक एलन मस्क के अफेयर की खबर सामने आने के बाद मस्क ने इन खबरों का खंडन किया है। सर्गेई ने इस साल की शुरुआत में अपनी पत्नी निकोल शनहान से तलाक के लिए अर्जी दी थी। खबरों में कहा गया था कि इसका कारण मस्क का गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन की पत्नी निकोल शनहान के साथ संबंध था।

खबर के मुताबिक मस्क का सर्गेई ब्रिन की पत्नी निकोल शनहान के साथ संबंध था। इस कारण उन्होंने अपनी पत्नी से तलाक के लिए अर्जी दी। जबकि मस्क ने इस दावे का खंडन किया है। उन्होंने 25 जुलाई को ट्वीट करके कहा कि 'सर्गेई और मैं दोस्त हैं और कल रात एक साथ पार्टी में थे। मस्क ने कहा कि 'मैंने तीन साल में केवल दो बार निकोल को देखा है. दोनों बार आसपास के कई अन्य लोग साथ थे। कुछ भी रोमांटिक नहीं था। ब्रिन ने साल 2022 की शुरुआत में पत्नी शनहान से तलाक के लिए अर्जी दी थी। इस जोड़े की शादी 2018 से हुई थी। खबरों में दावा किया गया है कि एलोन मस्क का शनहान के साथ संक्षिप्त अफेयर पिछले साल दिसंबर में शुरू हुआ था। तभी मस्क का सिंगर ग्रिम्स से ब्रेकअप हो गया था। अफेयर के बारे में पता चलने के कुछ हफ्तों बाद सर्गेई ब्रिन ने तलाक मांगा।

अल्बर्टा पहुंचने पर पोप फ्रांसिस का भव्य स्वागत हुआ।

कनाडा पहुंचे पोप, हजारों बच्चों की हुई मौत पर स्थानीय लोगों से मांग सकते हैं माफी

एडमंटन (कनाडा)। पोप फ्रांसिस ने आवासीय स्कूलों में मिशनरियों द्वारा दुर्व्यवहार के लिए स्थानीय लोगों से माफी मांगने के वास्ते रविवार को कनाडा की ऐतिहासिक यात्रा शुरू की। इसे मूलनिवासी समुदायों के साथ सामंजस्य स्थापित करने और उस दौर के सदमे से उबरने में मदद करने के प्रयासों में कैथोलिक चर्च के एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर देखा जा रहा है। एडमंटन, अल्बर्टा, हवाई अड्डे पर उनका स्वागत स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और स्थानीय समूह 'इनुक' की सदस्य एवं देश की पहली जातीय गवर्नर जनरल मेरी साइमन ने किया। यहां पहुंचने पर फ्रांसिस ने एक आवासीय स्कूल के पीड़ित का हाथ चूमा। फ्रांसिस ने यह संकेत दिया था कि यह एक ''प्रायश्चित तीर्थयात्रा'' है, जो मूल निवासियों के बच्चों की पीढ़ियों को जबरन मौजूदा पीढ़ी के साथ मिलाने में कैथोलिक मिशनरियों की भूमिका का प्रायश्चित करने के लिए है। एक ऐसी यात्रा जिस पर पूरे कनाडा में पीड़ितों और उनके परिवारों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं आई हैं, जो लंबे समय से अपने ऊपर हुए अत्याचारों के लिए पोप से माफी की मांग कर रहे थे। फ्रांसिस का रविवार को कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं था, जिससे उन्हें सोमवार को अपनी बैठक से पहले आराम करने का समय मिल गया।

डब्ल्यूएचओ ने कहा- मंकीपॉक्स को लेकर जनस्वास्थ्य से जुड़े कदम, सतर्कता बढ़ाएं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की क्षेत्रीय निदेशक ने सदस्य देशों से मंकीपॉक्स से निपटने के लिए सतर्कता बढ़ाने और जन स्वास्थ्य से जुड़े कदमों को मजबूत करने का रविवार को आह्वान किया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि मंकीपॉक्स तेजी से और कई ऐसे देशों में फैल रहा है, जहां पहले इसके मामले सामने नहीं आए थे, जो बड़ी चिंता का कारण है। उन्होंने कहा, ''संक्रमण के मामले ज्यादातर उन पुरुषों में पाए गए हैं, जिन्होंने पुरुषों के साथ संबंध बनाए। ऐसे में उस आबादी पर केंद्रित प्रयास करके बीमारी को और फैलने से रोका जा सकता है, जिनमें संक्रमण का खतरा अधिक है।''

वैश्विक स्तर पर, 75 देशों में मंकीपॉक्स के 16,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में, मंकीपॉक्स के चार मामले सामने आए हैं, जिनमें से तीन भारत में और एक थाईलैंड में पाया गया है। क्षेत्रीय निदेशक ने कहा, ''महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे प्रयास और कदम संवेदनशील तथा भेदभाव रहित होने चाहिए।'' डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस ए. घेब्रेयसस ने शनिवार को कहा कि 70 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स का प्रसार होना एक ''असाधारण'' हालात है और यह अब वैश्विक आपात स्थिति है।

डॉ सिंह ने कहा, ''हालांकि वैश्विक स्तर पर और क्षेत्र में मंकीपॉक्स का जोखिम मध्यम है, लेकिन इसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलने का खतरा वास्तविक है। इसके अलावा, वायरस के बारे में अब भी कई बातों का पता नहीं चल पाया है। हमें मंकीपॉक्स को और फैलने से रोकने के लिए सतर्क रहने और तेजी से कदम उठाने को तैयार रहने की जरूरत है।'' मंकीपॉक्स संक्रमित जानवर के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने से मनुष्यों में फैलता हैं। एक मनुष्य से दूसरे मनुष्य में यह संक्रमण संक्रमित की त्वचा और श्वास छोड़ते समय नाक या मुंह से निकलने वाली छोटी बूंदों के संपर्क में आने से फैलता है।

चीन और पाकिस्तान की उड़ी नींद ! भारत समर्थक हैकर्स ने उड़ाई 15,000 फाइल्स

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

दूसरे देशों पर बुरी नजर रखने वाले चीन और उसके मित्र देश पाकिस्तान में हड़कंप मचा हुआ है। दावा किया जा रहा है कि चीन और पाकिस्तान की साइबर सिक्योरिटी को बड़ी चोट पहुंचाकर हैकर्स ने करीब 15,000 फाइल्स को उड़ा लिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ये मामला दो महीने पुराना है। इसी साल मई में चीन और पाकिस्तान में हैकिंग की घटना हुई लेकिन इसी महीन पाकिस्तान में करीबी मिलिट्री ऑफिशियल्स के बीच मामला लीक होने से हड़कंप मच गया।

हिंदी समाचार वेबसाइट नवभारत टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन और पाकिस्तान दोनों ही एकसाथ साइबर सिक्योरिटी की दिशा में काम कर रहे हैं। इनका दावा है कि भारत के हैकर्स दोस्तों ने साइबर स्पेस की जासूसी की है। दोनों देशों के अधिकारियों का कहना है कि हैकर्स करीब 15,000 फाइल्स को लेकर रसूचक्कर हो गए। वहीं रिपोर्ट्स में कुछ अपुष्ट दावों के हवाले से बताया गया कि हैकर्स ने कुछ ऐसे संकेत छोड़े थे जिससे यह पता लगा कि सिस्टम में सेंधमारी हुई है।

हैक की घटना को लेकर चीन और पाकिस्तान के अधिकारियों के बीच वार्ता हुई, जिससे इसकी जानकारी मिलती है। इतना ही नहीं पिछले महीने चीन की सरकारी मीडिया में रिपोर्ट सामने आई थी। जिसमें कहा गया था कि हैकर्स भारत में ही हैं और वो एक-एक करके कई हमले कर रहे हैं। साथ ही यह भी कहा गया था कि हैकर्स सिर्फ डेटा की चोरी नहीं कर रहे हैं बल्कि इसके साथ ही वो बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

चीन भी कर चुका है ऐसे हमले!

अगर चीन और पाकिस्तान के दावे सही हैं तो यह इस साल की पहली ऐसी घटना है जिसमें दोनों देशों की जानकारियां चोरी हुई हैं। आपको बता दें कि इन दोनों देशों के कई बार ऐसे ही साइबर हमले दूसरे देशों के साथ भी किए हैं। जिसमें भारत भी शामिल है। कोरोना महामारी के बीच अक्टूबर 2020 में भारत में ही ऐसा ही साइबर हमला हुआ था। उस वक्त मुंबई में बड़े पैमाने पर बिजली संकट की स्थिति पैदा हो गई थी। हालांकि चीन ने साइबर हमलों से इनकार कर दिया था।

सुनक ने चीन को बताया दुनिया का नंबर एक खतरा, पीएम बना तब लूंगा चीन पर सख्त एक्शन

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में भारतीय मूल के ऋषि सुनक सबसे आगे चल रहे हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता के तौर पर होने वाली वोटिंग का अंतिम राउंड शेष बचा है। इसके द्वारा प्रधानमंत्री का चयन होगा। सुनक भारतीय टेक कंपनी इंफोसिस के को फाउंडर नारायणमूर्ति के दामाद हैं। सुनक ने कहा कि अगर वह ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री बनते हैं, वह चीन से सख्ती से निपटूंगा। उन्होंने चीन को घरेलू और वैश्विक सुरक्षा के लिए 'नंबर एक खतरा' बताया। सुनक की तरफ से ये बयान उनके प्रतिद्वंद्वी लिज ट्रस द्वारा चीन और रूस पर कमजोर होने का आरोप लगाने के बाद सामने आया। सुनक ने संस्कृति और भाषा कार्यक्रमों के माध्यम से चीनी प्रभाव के प्रसार को रोकने के लिए ब्रिटेन में सभी 30 कन्फ्यूशियस संस्थानों को बंद करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि वह 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) को हमारे विश्वविद्यालयों से बाहर कर दूंगा। उच्च शिक्षा प्रतिष्ठानों को 50,000 पाउंड से अधिक के विदेशी वित्त पोषण का खुलासा करने और शोध साझेदारी की समीक्षा करने के लिए मजबूर कर देंगे। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई5 का इस्तेमाल चीनी जासूसी का मुकाबला करने के लिए किया जाएगा और साइबर स्पेस में चीनी खतरों से निपटने के लिए 'नाटो-स्टाइल' अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बनाने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह रणनीतिक रूप से संवेदनशील तकनीकी फर्मों सहित प्रमुख ब्रिटिश संपत्तियों के चीनी अधिग्रहण पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करुंगा।

अल्बानिया के नए राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण की, राजनीतिक एकता का आग्रह किया

तिराना (अल्बानिया)। (एजेंसी)।

अल्बानिया के नए राष्ट्रपति ने रविवार को शपथ ली और विभिन्न राजनीतिक दलों से देश के बेहतर भविष्य के लिए सहयोग करने और कानून के शासन को मजबूत करने का आग्रह किया। 140 सीटों वाली संसद में 78 वोट हासिल कर जीते राष्ट्रपति बजराम बेगज (55) ने संसद में एक समारोह के दौरान औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। पूर्व आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल बेगज ने कहा, ''मैं उन लोगों के प्रति कभी तटस्थ नहीं रहूंगा जो अपने व्यक्तिगत हितों को देश के ऊपर रखते हैं।'' राष्ट्रपति कार्यालय में बाद में एक समारोह में संवैधानिक न्यायालय के प्रमुख ने देश का संविधान बेगज को सौंपा। विपक्ष की ओर से कोई साझा उम्मीदवार नहीं होने के बाद बेगज को सत्तारूढ़ वामपंथी सोशलिस्ट पार्टी द्वारा नामित किया गया था। अधिकांश विपक्षी सांसदों ने मतदान का बहिष्कार किया और कुछ ने शपथ ग्रहण समारोह से भी परहेज किया। बेगज देश में सैन्य रैंक से तीसरे राष्ट्रपति हैं। पांच साल के कार्यकाल वाले राष्ट्रपति पद की भूमिका काफी हद तक औपचारिक होती है और राष्ट्रपति से तटस्थ रहने की उम्मीद की जाती है।

जापान चांद और मंगल ग्रह पर जाने की योजना पर काम कर रहा

लंदन (एजेंसी)।

अंतरिक्ष क्षेत्र बेहद ही महत्वपूर्ण और विशाल आयाम आने वाले वॉर वेयर के अंदर होने वाला है। इस वजह से विश्व के सुपर पावर मुल्क अपने-अपने तरीके से यहां अपना आधिपत्य जमाने की कोशि कर रहे हैं। आने वाले समय में लोग चांद पर कॉलोनियां बसा कर रहने लगेंगे। वैसे तो पूरी दुनिया के साइंटिस्ट पृथ्वी के बाहर की दुनिया को खंगालने में लगे हुए हैं। अमेरिका फिस से चांद पर जाने की जुगाड़ में है। वहीं अपने को अमेरिका से बड़ा सुपरपावर मुल्क दिखाने की चाह में लगा चीन मंगल ग्रह पर जाकर पानी की तलाश में लगा है। लेकिन तकनीक के मामले में दुनियाभर से अपना लोहा मनवा चुका जापान अपनी खोज के जरिये हमेशा से चौंकाता आया है। जापान की बुलेट ट्रेन के बारे में तो सभी ने सुना होगा। साल 2017 के

सितंबर महीने में भारत और जापान ने अहमदाबाद में देश के पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। बुलेट ट्रेन की सहायता से इनसान एक जगह से दूसरी जगह बेहद कम समय में जा सकता है।

धरती पर सरपट दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन के बाद जापान चांद और मंगल ग्रह पर जाने की योजना पर काम कर रहा है। जिसको लेकर कई तरह के रिसर्च भी किए जा रहे हैं। वैसे तो आप मंगलयान, गगनयान के जरिये लोगों के स्पेस में जाने की बात सुनते होंगे। लेकिन जापान अब बुलेट ट्रेन के जरिये लोगों को चंद्रमा और मंगल ग्रह पर ले जाएगा। ये बात सुनने में थोड़ी अजीब जरूर लगे लेकिन जापान ऐसा करने जा रहा है। जिसका ब्लूप्रिंट उन्होंने तैयार भी कर लिया है। कंपनी ने पूरे प्रोजेक्ट का वीडियो शेयर किया है। सोशल मीडिय पर इस वीडियो के बाद लोग अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कह रहे हैं कि जापान कुछ भी कर सकता है।

यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार जापान की क्योटो यूनिवर्सिटी और काजिमा कंस्ट्रक्शन रे रिसर्चर्स चंद्रमा और मंगल ग्रह पर आर्टिफिशियल अंतरिक्ष वातावरण बनाने की योजना बना रहे हैं। इसकी मदद से इंसान वहां आसानी से रह सकते हैं। ट्रेन में भी सफर कर सकते हैं। इस प्रोजेक्ट का नाम हेक्सागोन स्पेस ट्रैक सिस्टम है। इसे अंतरग्रहीय यात्रा के रूप में जाना जाता है।

रूस-यूक्रेन अनाज निर्यात सौदा अगर लागू हुआ तो गरीब देशों को होगा बड़ा मुनाफा

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

यदि रूस उस सौदे पर कायम रहता है, जिसमें उसने यूक्रेन के साथ अनाज निर्यात को फिर से शुरू करने की अनुमति दी है, तो इससे अनाज आयात करने वाले बहुत से देशों, जिनमें कई अफ्रीका के हैं, को बड़ी राहत मिल सकेगी। राहत अपने आप में महत्वपूर्ण होगी क्योंकि यूक्रेन में लगभग दो करोड़ 20 लाख टन अनाज (गेहूं, मक्का, सूरजमुखी के बीज और अन्य अनाज) भूमिगत भंडारगृहों में पड़ा है। वह रूस के आक्रमण के कारण इसे निर्यात बाजारों में भेजने में सक्षम नहीं है। यूक्रेन वैश्विक अनाज और तिलहन निर्यात बाजार में एक उल्लेखनीय स्थान रखता है। और इस प्रकार, निर्यात की रुकावट ने युद्ध शुरू होने के बाद से कृषि वस्तुओं की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि में योगदान दिया है। 22 जुलाई 2022 को कीव और मास्को के बीच हस्ताक्षरित ''अनाज सौदे'' का उद्देश्य इस अराजक स्थिति को बदलना था। समझौते के तहत रूस ने काला सागर क्षेत्र में अनाज के जहाजों पर हमला नहीं करने का वादा किया था। लेकिन यह वादा ज्यादा दिन नहीं चला। सौदे पर हस्ताक्षर के 24 घंटे से भी कम समय में रूसी मिसाइलों ने ओडेसा के महत्वपूर्ण यूक्रेनी बंदरगाह पर हमला किया। इस हमले से सौदे के कमजोर होने की संभावना है। इसके अलावा, अनाज व्यापारी इस क्षेत्र में हाथ डालने से हिचक सकते हैं क्योंकि वे इसे बहुत जोखिम भरा मान सकते हैं। इससे सौदे का अमल में आना रूक सकता है। लेकिन अगर रूस अपने वादे पर कायम रहता है, तो लाभ तत्काल होगा। विश्व बाजार में अधिक अनाज की आपूर्ति उपलब्ध होने से अनाज की कीमतों में नरमी आ सकती है। कुल मिलाकर यह उपभोक्ताओं, विशेष रूप से गरीब विकासशील देशों में रहने वाले लोगों के लिए एक अच्छा घटनाक्रम होगा।

कीमतों में संभावित नरमी से वैश्विक अनाज की कीमतों की पहले से ही सकारात्मक तस्वीर और भी उजली हो जाएगी, जो रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद के हफ्तों में देखे गए रिकॉर्ड स्तरों से नीचे आ गई है। वैसे, अनाज की कीमतों पर सौदे का असर मामूली रहने की संभावना है। अनाज की कीमतें युद्ध पूर्व के स्तर पर लौटने की संभावना नहीं है। संघर्ष से पहले के दो वर्षों में कई कारक कृषि कीमतों को बढ़ा रहे थे। इनमें दक्षिण अमेरिका, पूर्वी अफ्रीका और इंडोनेशिया में सूखा शामिल है और चीन में अनाज की बढ़ती मांग ने वैश्विक अनाज आपूर्ति को प्रभावित किया है। रूस और यूक्रेन के बीच सौदे के परिणामस्वरूप संभावित कीमतों में गिरावट और आपूर्ति में वृद्धि से मध्यम अवधि में सभी आयातक देशों और उपभोक्ताओं को लाभ होने की संभावना है। यह मान लिया जाए कि सौदा अमल में आता है - और शिपिंग लाइनें ऑर्डर लेना और अनाज ले जाना शुरू करती हैं। अफ्रीकी दृष्टिकोण से, महाद्वीप एक वर्ष में लगभग 80 अरब अमरीकी डालर के कृषि उत्पादों का आयात करता है, मुख्य रूप से गेहूं, ताड़ का तेल और सूरजमुखी के बीज। उप-सहारा अफ्रीका क्षेत्र से वार्षिक खाद्य आयात बिल लगभग 40 अरब अमरीकी डालर प्रति वर्ष है। इसलिए, भले मामूली ही हो, इन वस्तुओं की कीमतों में संभावित गिरावट आयात करने वाले देशों के लिए सकारात्मक होगी - और अंततः उपभोक्ताओं के लिए। महत्वपूर्ण रूप से, अफ्रीका रूस से 4 अरब अमरीकी डालर के कृषि उत्पादों का आयात करता है, जिनमें से 90 प्रतिशत गेहूं और 6 प्रतिशत सूरजमुखी के बीज हैं। प्रमुख आयातक देश मिस्र (50 प्रतिशत) हैं, इसके बाद सूडान, नाइजीरिया, तंजानिया, अल्जीरिया, केन्या और दक्षिण अफ्रीका हैं। इसी तरह, अफ्रीका यूक्रेन से 2.9 अरब अमरीकी डालर के कृषि उत्पादों का आयात करता है। इसमें से करीब 48 फीसदी गेहूं, 31 फीसदी मक्का और बाकी में सूरजमुखी का तेल, जौ और सोयाबीन शामिल हैं। व्यापार गतिविधियों को फिर से शुरू करने से यूक्रेन से लगभग दो करोड़ 20 लाख टन अनाज निकलेगा। यह मान लेना भी सुरक्षित है कि रूस से दुनिया के विभिन्न बाजारों में अनाज के ऑर्डर भी बढ़ेंगे। अफ्रीका के सबसे बड़े गेहूं आयातकों को यूक्रेन के बंदरगाहों से शिपमेंट की बहाली से सबसे अधिक लाभ होगा। अधिक सामान्यतः, कीमतों में नरमी से दुनिया भर के उपभोक्ताओं को लाभ होगा। इसके अलावा, विश्व खाद्य कार्यक्रम पूर्वी अफ्रीका जैसे संघर्षरत अफ्रीकी क्षेत्रों में दान के लिए भोजन का स्रोत बनाने में सक्षम होगा, जहां सूखे की मार पड़ी है, और एशिया के कुछ हिस्सों में भी। इसमें दो राय नहीं हैं कि इस सौदे के अमल में आने से यूक्रेनी किसानों को भी लाभ होगा।

सुविचार अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है। - जॉन टिलोटसन

संपादकीय

गैंगवार पर वार

पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता शुभदीप सिंह सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल गैंगस्टरों की धरपकड़ के बाद खुलती परतों से हर व्यक्ति के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। विदेशी गैंगस्टरों की सक्रियता और देश की बेहद सुरक्षित मानी जाने वाली जेलों से अपराधों का संचालन हमारी कानून व्यवस्था के लिये बड़ी चुनौती है। यह अच्छी बात है कि केंद्रीय एजेंसियों, विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर पंजाब पुलिस ने कुख्यात गिरोहों की कमर तोड़ने के लिये जो तत्काल कार्रवाई की है, वह सराहनीय है। सवाल यह है कि ऐसी तत्परता की कार्रवाई पिछली सरकारों के दौरान क्यों नहीं देखने में आई। क्या इस सवाल का जवाब अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण के आलोक में तलाशना होगा? सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में वंछित दो शूटरों को मुठभेड़ में मारना पुलिस की कामयाबी ही कही जायेगी। निस्संदेह, इस कांड में जन दबाव को देखते हुए पंजाब की आप सरकार ने अपराधियों को कानून के शिकंजे में लाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। काश, आम आदमी को भी ऐसा ही न्याय मिलता और पिछली सरकारों में भी ऐसी तत्परता दिखायी जाती। बहरहाल, इस कांड ने कई सवालों को भी जन्म दिया है। यह भी कि आपराधिक गिरोहों को कैसे आधुनिक विदेशी हथियार मिलते हैं। कैसे अपराधी सफलतापूर्वक अंतर्राज्यीय गिरोहों का संचालन कर रहे हैं। बहरहाल पुलिस ने एक बड़े नेक्सस को तोड़ने में कामयाबी हासिल की है। लेकिन अभी इन गिरोहों की जड़ों तक पहुंचने की जरूरत है। साथ ही पता लगाने की जरूरत है कि विदेशों से कौन से गिरोह देश में बड़ी आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। विडंबना है कि अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि मंत्रियों व विधायकों को खुलेआम धमकी दे रहे हैं। ऐसे में आम आदमी का अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। पुलिस-प्रशासन का दायित्व बनता है कि जनता की कानून-व्यवस्था में विश्वास बहाली की दिशा में तत्परता से कार्रवाई करें। संदेश जाना चाहिए कि अपराधी गिरोह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, वह कानून के हाथों से नहीं बच पायेगा। उल्लेखनीय है कि गत 29 मई को मानसा के एक गांव में सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद कनाडा में बैठे एक गैंगस्टर ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। जिससे पता चलता है कि देश में सक्रिय गैंगस्टरों के तार विदेशों तक जुड़ते हैं। हाल ही में सिद्धू मूसेवाला के पिता ने आरोप लगाया था कि उन्हें विदेशों खासकर पाकिस्तान से धमकी भरे फोन आ रहे हैं, जो अपराधियों के इंटरनेशनल नेक्सस का खुलासा करता है। वहीं दूसरी ओर, पाक सीमा के निकट मूसेवाला हत्याकांड में शामिल शूटरों के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद खुलासा किया गया कि शूटर पाकिस्तान से आने वाले हथियार लेने के लिये पहुंचे थे। जो बताता है कि भारत में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने के लिये हथियारों की आपूर्ति पाकिस्तान से भी की जा रही है। वहीं कुछ सूत्र शूटरों के पाक भागने की फिराक में होने के भी दावे करते हैं, जो वहां बैठे कुछ गैंगस्टरों के संपर्क में बताये जाते हैं। निस्संदेह, फोरेंसिक व पुलिस जांच में कई खुलासे सामने आ सकते हैं, जिसमें पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हो सकता है कि पाक से गैंगस्टरों को मदद देने वाले आतंकवादी या खुफिया एजेंसी के लोग किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हों। यह गंभीर चुनौती है और इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। विगत में कई बार पाक सीमा से लगे भारतीय इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोनों की संदिग्ध गतिविधियां नजर आई हैं। कई बार हथियार गिराने की भी पुष्टि हुई है। बहरहाल, अपराधियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाते हुए आप सरकार ने एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन करके जो पहल की, उसके परिणाम सामने आने लगे हैं।

आज के कार्टुन

स्वर्ग-नर्क

जग्गी वासुदेव

पूरी दुनिया में, मानव समाज पर नियंत्रण करने के लिये स्वर्ग और नर्क की धारणाएं फैलाई गई हैं। जब वे समझ नहीं पा रहे थे कि लोगों पर व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से कैसे काबू पाया जाए तो उन्होंने यह तरकीब निकाली,'अगर हम तुम्हें अभी सजा नहीं दे सकते, तो हम तुम्हें वहां पकड़ लेंगे। आपके अच्छे कामों के लिए अगर हम आपको यहां ईनाम नहीं दे सकते, तो हम आपको वहां ईनाम देंगे'। लेकिन अगर सत्य अस्तित्व की वास्तविकता से थोड़ा सा भी अलग है तो वहां जाने का कोई मतलब नहीं है। जब हम कहते हैं,'असतो मा सद्गमय' तो इसका अर्थ है, 'असत्य से सत्य की ओर यात्रा'। वास्तव में यह कोई यात्रा नहीं है। यात्रा शब्द से ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई दूरी पार करनी है पर असलियत में कोई दूरी पार नहीं करनी होती। 'जानना' दूर नहीं है, क्योंकि आप को जो जानना है वो कहीं दूर पर्वत के शिखर पर नहीं है, वह आप के अंदर ही है। पहली बात जिसे योग नकारता है, वह है-स्वर्ग और नर्क। जब तक स्वर्ग और नर्क की मान्यता है, तब तक भीतरी खुशहाली की तकनीकों और मुक्ति की ओर बढ़ने की प्रक्रिया का कोई मतलब नहीं है क्योंकि आखिरकार आप इन दो जगहों में से ही कहीं जाएंगे-या तो एक बुरी जगह या एक अच्छी जगह। अगर आपको किसी तरह से अच्छी जगह जाने का टिकट मिल जाता है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है कि आप कैसे जी रहे हैं। मानवता के इतनी बुरी तरह से जीने का एक मुख्य कारण ये है कि इसमें उन्हें धर्म की मदद मिली है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या करते हैं, अगर आप बस ये, ये और ये मानते हैं, तो आपका स्वर्ग जाने का टिकट पक्का है। आप के अंदर जो स्वर्ग और नर्क काम कर रहे हैं, अगर आप उनका नाश नहीं करते तो फिर आप किसी भी प्रकार से सत्य की ओर नहीं बढ़ सकते। फिलहाल, आप का शरीर और मन आप के अंदर ही स्वर्ग या नर्क बना सकते हैं। उनमें ये दोनों ही बनाने की योग्यता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां हैं, वे स्वर्ग या नर्क का निर्माण कर ही रहे हैं। आप के मन की अंतर करने की क्षमता का स्वभाव ऐसा है कि जब आप अपने अंदर नर्क का निर्माण करते हैं और फिर जब यह ज्यादा ही यातना देने लगता है तब आप इसे थोड़ा वापस खींच लेते हैं।

सेना में बहादुरी कि मिसाल कायम करते झुंझुनू के जवान

26 जुलाई कारगिल विजय दिवस पर विशेष/ लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं। इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। झुंझुनू जिले में प्रारम्भ से ही सेना में भर्ती होने की परम्परा रही हैं तथा यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता था। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर 'शेखावाटी ब्रिगेड 'का गठन किया था। जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 120 से अधिक सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं। राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्ध हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं। इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त कियें हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आपरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्व। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं। भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 45 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 62 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 457 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है। कारगिल युद्व के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 22 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 457 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं। यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें हैं वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में ब्रिगेडियर, कर्नल,मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है। यहां के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्व में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्व में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्व के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है।

जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है। हाल ही में झुंझुनू में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 19 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान देवे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

शुरा निपजे झुंझुनू, लिया कफन का साथ ।
रण-भूमि का लाडला, प्राण हथेली हाथ ।।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं)

शिव की उपासना से जल्दी पूर्ण होती हैं मनोकामनाएँ

- श्रावण मास विशेष / डॉ. दीपक आचार्य

भगवान भोलेनाथ को देवाधिदेव कहा गया है। उनकी शरण में जाने वालों की सभी प्रकार की कामनाएं सहज और स्वतः पूर्ण होती चली जाती हैं। एक बार शिव की कृपा प्राप्त कर लेने के बाद भक्त की सारी शंकाएं और आशंकाएं अपने आप दूर हो जाती हैं और जीवन में विलक्षण आनंद की अनुभूतियों के द्वार खुल जाते हैं। शिव की उपासना से लौकिक एवं पारलौकिक सिद्धियाँ सहज ही प्राप्त की जा सकती हैं। शिव की उपासना के लिए असंख्य मंत्र, स्तोत्र, पाठ इत्यादि हैं लेकिन इन सभी में रूद्रपाठ को ऋषि-मुनियों ने विशेष महत्त्व प्रदान किया है। शास्त्रों में रूद्रपाठ को कल्पवृक्ष कहा गया है। इसका अवलम्बन करने से अमृत् तत्त्व की प्राप्ति होती है। जबकि दुर्गापाठ को कामदुधा कहा गया है जिसे शांतिपूर्वक अर्थानुसंधान पूर्ण श्रद्धा से पाठ किया जाए तो मनुष्य की तमाम कामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। रूद्राष्टाध्यायी में आठ रूद्रों का समावेश माना गया है। रूद्राष्टाध्यायी में पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु एवं आकाश तथा मन, बुद्धि एवं अहंकार के रूप में व्याप्त रूद्र के रूप में प्रार्थना की गई है। शतपथ ब्राहमण ग्रंथ में काण्ड 6 तथा शिव महिम्नस्तोत्र में आठ रूद्रों का वर्णन है-भव, शर्व, रूद्र, पशुपति, उग्र, महादेव, भीम एवं ईशान । ये पांच तत्त्व तथा मन, बुद्धि एवं अहंकार के प्रतीक रूप में माने जाते हैं। रूद्राष्टाध्यायी के सभी अध्यायों में समाहित वैज्ञानिक रहस्यों को देखें तो इसके प्रथम अध्याय में मन को स्थिर करने, शिवसंकल्प मय बनाने का सूत्र छिपा है। दूसरे अध्याय में सहस्रशीर्षा से हजार शिर, हजार आँखें, हजार पाँव आदि कहकर विराट रूप में बसने वाले भगवान रूद्र की सर्वव्यापकता बतलाई गई है। तीसरे अध्याय में वायु तथा ओज की प्रार्थना की गई है। रूद्राष्टाध्यायी के पंचम अध्याय में संसार के तमाम पदार्थों में रूद्र की भावना की गई है। छठे अध्याय में समस्त प्रकार की कामनाओं व आयुष्य की वृद्धि करने वाले तथा सप्तम अध्याय में सभी प्रकार की सुख प्राप्ति के लिए प्रार्थना की गई है। अष्टम अध्याय में शान्ति प्राप्ति एवं पृथिवी तत्व, जलतत्त्व द्वारा हमें सुख एवं सौ वर्ष बोलने की वाणी, सौ वर्ष देखने की शक्ति तथा सौ वर्ष दीनता रहित होने के साथ ही सौ वर्ष आयुष्यकामना की प्रार्थना भगवान रूद्र से की गई है। शिव महिम्न स्तोत्र के श्लोक ''श्मशानेष्वाक्रीड़ा....'' से स्पष्ट है कि शिव को श्मशान प्रिय है। इसका आशय यह है कि हमारे हृदय व मन को हम निष्काम भाव और शुचिता से इतना परिपूर्ण कर लें और मन को शिव में स्थिर कर दें कि यह श्मशान की तरह खाली हो जाए, तभी भगवान शिव अपने हृदय में विराजित हो सकते हैं। मन में शिव का वास हो जाने पर अनेक मंगलकामनाएं अपने आप पूर्ण होने लगती हैं और शिवत्व का सहज तथा स्वतः आभास होने लगता है। सामान्य व्यक्ति को शिव की उपासना के लिए यह जरूरी नहीं कि वैदिक ऋचाओं का गान किया जाए या स्तोत्रों का पारायण किया जाए। एक आम व्यक्ति भी यदि चाहे तो शिव उपासना के माध्यम से अपने जीवन में परिवर्तन ला सकता है। शिव उपासना से ग्रहों का शमन होता है, बीमारियों से पिण्ड छूटता है और आरोग्य, यश तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। शिव को प्रसन्न करने के लिए यह भी जरूरी नहीं कि भारी धनराशि व्यय कर कोई बड़ा अनुष्ठान करवाएं। साधारण व्यक्ति यदि कुछ भी करने में असमर्थ हो तो वह पंचाक्षरी मंत्र ऊँ नमः शिवाय, शिवाय नमः आदि के जप कर ले। इसके पांच लाख जप करने का विधान है। इतना हो जाने पर मंत्र में जागृति आ जाती है। यह भी नहीं हो सके तो पांच या पचास हजार मंत्र जप कर लिया जाना चाहिए। एक नियम बना लें कि रोजाना निर्धारित संख्या में मंत्र जप कर लिया जाए। निर्धारित मंत्र जप के अलावा दिन-रात में जब भी ध्यान आए, इस मंत्र का मानसिक जप भी यदि साथ ही चलता रहे तो इससे मिलने वाले फल में अभिवृद्धि होगी और आत्मिक शांति का भान होने लगेगा। यह अच्छी तरह ध्यान में रहना चाहिए कि मानसिक जप किसी भी अवस्था में, कहीं भी और कभी भी हो सकते हैं, उनका पूरा फल प्राप्त होगा। समय न मिले तो फुरसत के समय शिव का स्मरण करने की आदत डाल ली जानी चाहिए। भगवान भोलेनाथ की मामूली से मामूली उपासना भी बड़े से बड़ा चमत्कार दिखा सकती है। रोजाना शिवलिंग के दर्शन करें, इस पर पंचाक्षरी मंत्र या महामृत्युंजय मंत्र से जलाभिषेक करें। ख़ास अवसरों पर कामना विशेष हो तो ईक्षु रस, भंग, दूध, शुद्ध घी आदि उपचारों से अभिषेक करें। प्रेम और प्रीति बढ़ानी हो तो शिवलिंग पर लाल गुलाल चढ़ाएं। दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट दूर कर आनंद पाना हो तो शिवजी को गुड़ चढ़ाएं। इसी प्रकार शिवलिंग पर अभिषेक के कई विस्तृत विधान हैं। कुल मिलाकर शिव उपासना सबसे सरल और सहज है तथा इसे कोई भी कर सकता है। श्रेष्ठ पति या पत्नी प्राप्त करने के लिए शिवलिंग और गौरी मैया की पूजा करें। महाशिवरात्रि, श्रावण मास, प्रदोष आदि शिवोपासना के महापर्व हैं। इन दिनों में भगवान शिव की उपासना विशेष रूप से की जानी चाहिए। इससे शिवजी की प्रसन्नता प्राप्त होती है और वर्ष पर्यन्त आरोग्य तथा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

सू-दोकू नवताल 2174

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

सू-दोकू -2173 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2174

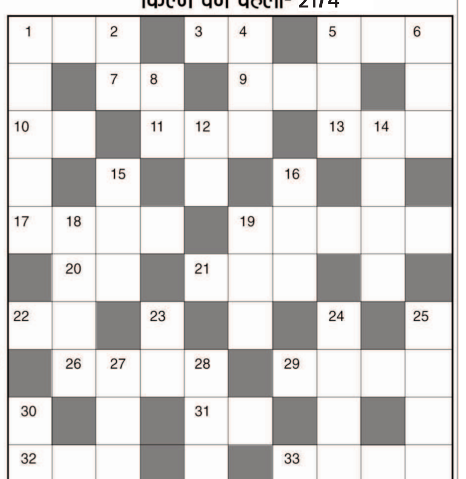

बायें से दायें:-

1. 'पिछवाड़े बुड्ढा खांसता' गीत वाली मनोज कुमार, साधना की फिल्म-3
3. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की अभिनीत फिल्म-2
5. मिथुन चक्रवर्ती, आदित्य पंचोली, पायल मल्होत्रा की फिल्म-3
7. सुपर हिट फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम-2
9. 'बधाई री बधाई तेरी शगनों भरी' गीत वाली फिल्म-3
10. मिथुन चक्रवर्ती, रंभा अभिनीत फिल्म-2
11. फिल्म 'देवता' में संजीव कुमार के साथ नायिका-3
13. फिल्म 'फर्ज' में जीतेंद्र के साथ नायिका-3
17. 'मैं पल दो पल का शायर हूं' गीत वाली फिल्म -2,2
19. जीतेंद्र, राजश्री अभिनीत फिल्म-5
20. 'जिसके सपने हमें रोज आते रहे' गीत वाली फिल्म-2
21. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-3
22. राजेश खन्ना, सुलक्षणा पंडित अभिनीत फिल्म-2
26. भारत भूषण, फरीदा जलाल, शालिनी अभिनीत फिल्म-4
29. 'जो उनकी तमन्ना है बर्बाद हो जा' गीत वाली फिल्म-4
31. फिल्म 'विजयपथ' में अजय देवगन के साथ नायिका-2
32. 'तेरे जैसा यार कहां' गीत वाली फिल्म-3
33. फिल्म 'शूट आउट ऐट लोखंडवाला' में 'जावेद शेख' की भूमिका किसने की है-4
27. 'यूं ही कोई मिल गया था' गीत वाली राजकुमार, मीना कुमारी की फिल्म-3
28. फिल्म 'ये तेरा घर ये मेरा घर' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका-3

ऊपर से नीचे:-

1. फिल्म 'उमराव जान' के संगीत निर्देशक-2,3
2. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका-2
4. 'दिल चला उड़ चला' गीत वाली फिल्म 'संध्या' में जैकी श्रॉफकेसाथ नायिका-3
5. 'जब हम जवां होंगे' गीत वाली सनी देओल, अमृता सिंह की पहली फिल्म-3
6. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'इन बहारों में अकेले ना फिरो' गीत वाली फिल्म-3
12. 'तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले, किस्मत पे भरोसा है तो दांव लगा ले' गीत वाली देव आनंद, कल्पना कार्तिक, गीता बाली की फिल्म-2
14. फिल्म 'अनारकली' में अनारकली की शीर्षक भूमिका किसने की-2,2
15. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-3
16. 'शाबा ये नखरा लड़की का' गीत वाली अजय देवगन, अक्षय कुमार, करिश्मा कपूर, नगमा की फिल्म-3
18. अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, मीना कुमारी की 'मोहब्बत से देखा खफा हो गए हैं' गीत वाली फिल्म-2,2
19. 'भीनी भीनी खुशबू जागा जागा' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित साहनी, शबाना आजमी की फिल्म-3
23. सुनील दत्त, वहीदा की 'तुम मुझे भूल ज़ी जाओ तो ये हक है तुम को' गीत वाली फिल्म-2
24. अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-4
25. 'दिल ने कर लिया ऐतबार' गीत वाली फिल्म-4
27. फिल्म 'यादें' में ऋतिक रोशन की नायिका-3
28. 'जब तुम ही चले परदेस ' गीत वाली करण दीवान, स्वर्णलता की एक सुपर हिट फिल्म-3
30. 'मुसाफिर हूं यारो' गीत वाली फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका-2

फिल्म वर्ग पहेली-2173

म	स्ती		बा		फा	गु	न		सा
र्ड		ते	जा	ब		ड्डी		क्रो	ध
र	वि		र	च	ना		डॉ		ना
	दा	ग		प		जा	न	म	
भा	ई		ध	न	वा	न		म	र्द
भी		क	र्म		सु		दा	ता	
	गै		वी	रू		सौ	दा		दो
आ	र	पा	र			दा		म	स्त
वा		की		चि	श	ग		हि	
श	म	जा	ने			र	ह	मा	न

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है। वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को। परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ[illegible] से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।

बेटर ओपिनियन्स ने मेटाप्लानेट वीसी सहित कई निवेशकों से एकत्र किए 25 लाख डॉलर

नई दिल्ली। देश की मशहूर वाईकॉम्बिनेटर के समर्थन वाली कंपनी बेटर ओपिनियन्स ने मेटाप्लानेट वीसी और गोल्डवाटर कैपिटल समेत कई निवेशकों से 25 लाख डॉलर (करीब 20 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। कंपनी के अनुसार, निवेश के 'शुरूआती दौर' में वाईकॉम्बिनेटर, टॉरस वीसी, ओरिजिनल कैपिटल, ट्रेमिस कैपिटल, सुपर कैपिटल और एंजेल निवेशक समेत अन्य निवेशकों ने हिस्सा लिया। कंपनी ने बयान में कहा, ''बेटर ओपिनियन्स ने मेटाप्लानेट वीसी और गोल्डवाटर कैपिटल समेत अन्य निवेशकों से 25 लाख डॉलर जुटाए हैं।' इससे पहले कंपनी ने सोमा कैपिटल और जावा कैपिटल सहित कई निवेशकों से सात लाख डॉलर जुटाए थे।

रुपया 79.76 पर बंद हुआ

मुंबई । भारतीय रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ है। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन रुपया 14 पैसे की तेजी के साथ ही 79.76 (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.86 के भाव पर खुला हालांकि कारोबार के दौरान यह 79.70 के उच्च स्तर और 79.87 के निचले स्तर पर पहुंचा। कारोबार के अंत में रुपया 79.76 (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाग के मुकाबले 14 पैसे की बढ़त दिखा रहा है। पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 79.90 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। वहीं विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.38 फीसदी नीचे आकर 106.32 पर पहुंचा। इससे भी रुपये को बल मिला। बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कारोबारी सप्ताह की अच्छी शुरुआत की है। उसे कच्चे तेल की कीमतों में कमी और क्षेत्रीय मुद्राओं में आई मजबूती से भी लाभ मिला। इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक में ब्याज दर में 0.75 फीसदी तक की बढ़ोतरी किए जाने के अनुमान हैं।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में सोमवार सुबह गिरावट दर्ज की गई है। इसका वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 2.22 फीसदी गिरकर 1.00 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। बिटकॉइन और इथेरियम समेत लगभग तमाम बड़ी क्रिप्टोकरेंसीज़ में गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह यदि अगले 24 घंटों तक गिरावट जारी रहती है तो मार्केट कैप एक बार फिर से 1 ट्रिलियन डॉलर के नीचे चला जाएगा। बिटकॉइन की कीमत 2.24 फीसदी गिरकर 21,829.69 डॉलर कारोबार कर रही थी। दूसरे सबसे बड़े कॉइन इथेरियम की कीमत पिछले 24 घंटों में 2.78 फीसदी गिरावट के साथ 1,509.01 डॉलर पर पहुंच गई है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में गिरावट और दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी से बाजार नीचे आया है। इसी के साथ ही बाजार में पिछले छह कारोबारी सत्र से जारी बढ़त भी थम गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 306.01 अंक करीब 0.55 फीसदी नीचे आकर 55,766.22 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 88.45 अंक तकरीबन 0.53 फीसदी टूटकर 16,631 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत सत्र में बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक 3.80 फीसदी गिरे हैं। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 3.31 फीसदी फिसला है। मारुति सुजुकी इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा और नेस्ले के शेयर भी नीचे आये जबकिक टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, विप्रो और एनटीपीसी के शेयर लाभ के ही बढ़त पर बंद हुए। बाजार जानकारों के अनुसार निवेशकों की मुनाफावसूली से घरेलू बाजार की तेजी पर अंकुश लगा है। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक की बुधवार को होने वाली बैठक के कारण भी निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया हुआ है। वहीं एशियाई

बाजारों की बात करें तो जापान के निक्की, हांगकांग के हैंगसेंग और चीन के शंघाई कंपोजिट को नुकसान हुआ है। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी लाभ में रहा। दूसरी ओर यूरोप के प्रमुख बाजार मजबूत हुए हैं। कच्चे तेल ब्रेंट क्रूड के दाम 1.24 फीसदी ऊपर आकर 104.52 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गये हैं।

गोदरेज एंड बॉयस दाहेज कारखाने में 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd.

मुंबई । गोदरेज समूह की कंपनी गोदरेज एंड बॉयस अपने गुजरात के दाहेज कारखाने में 300 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगी। कंपनी का इरादा अपनी 'प्रसंस्करण' उपकरण इकाई के राजस्व को 2024-25 तक दोगुना करने का है। कंपनी के अनुसार, गोदरेज प्रोसेस इक्विपमेंट (जीपीई) हाइड्रोजन और बिजली क्षेत्र में अपनी पहुंच को मजबूत करना चाहती है। कंपनी का इरादा विशेष प्रकार के और बड़े उपकरणों की आपूर्ति करने का है। इसी उद्देश्य से वह 300 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। बयान में कहा गया है कि इस विस्तार से विनिर्माण क्षेत्र लगभग 25,000 वर्ग मीटर बढ़ जाएगा। वर्तमान में यह तेल एवं गैस, रसायन तथा उर्वरक और बिजली क्षेत्रों के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करती है।

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का इंजन बनने की ओर: कुमार मंगलम बिड़ला

मुंबई ।

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा है कि भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। बिड़ला ने समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट में दिए अपने संदेश में कहा है कि कोविड-रोधी टीकाकरण के व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन से भारत में आर्थिक गतिविधि बड़ी तेजी से महामारी-पूर्व के स्तर पर जा पहुंची है। बिड़ला ने कहा, एक मजबूत डिजिटल पारिस्थितिकी, राजकोषीय एवं मौद्रिक नीति और विभिन्न सरकारी योजनाओं ने छोटी एवं मझौली इकाइयों को मदद पहुंचाई और आबादी के सर्वाधिक प्रभावित तबके को जीवनयापन में रहने में मदद की। इन नीतियों ने मांग के पुनरुद्धार और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब महामारी के आघात से उबर चुकी है, जिसमें अनुकूल राजकोषीय, मौद्रिक नीतियों एवं टीकाकरण ने अहम भूमिका निभाई। लेकिन रूस-यूक्रेन छिड़ने के बाद इस एक तगड़ा झटका लगा है। बिड़ला ने कहा, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा बाजार और आपूर्ति शृंखला में खलल डाला और पहले से ही मौजूद मुद्रास्फीतिकारी दबावों एवं उपभोक्ता मांग से जुड़ी चिंताओं को बढ़ाने का काम किया।'' उन्होंने कहा कि इसके असर से भारतीय अर्थव्यवस्था भी अछूती नहीं रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत में तेजी से चलाए गए व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम की मदद से देश में आर्थिक गतिविधियां महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंच गई हैं। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि सही रफ्तार से चल रही है। उन्होंने कहा, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस तरह भारत दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था और वैश्विक वृद्धि का इंजन होगा।''

महिंद्रा की सबसे पॉपुलर एक्सयूवी700 ने बिक्री का कीर्तिमान, 2 साल तक हुई वेटिंग

नई दिल्ली ।

लग्गजरी वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा की सबसे मशहूर एसयूवी एक्सयूवी700 ने पिछले साल अगस्त में लॉन्च होने के बाद से एक बड़ा कीर्तिमान बनाया है। कंपनी ने घोषणा की है कि एक्सयूवी700 की लॉन्चिंग के पहले 11 महीनों में अब तक 1.5 लाख बुकिंग हो चुकी है। महिंद्रा एक्सयूवी700 के भारतीय बाजार में एक साल पूरा होने से कुछ ही दिन पहले यह उपलब्धि हासिल हुई है। हालांकि, अब भी ग्राहकों को डिलीवरी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। वेटिंग पीरियड कार निर्माता के लिए एक्सयूवी700 को सफल बनाने के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

महिंद्रा ने एक्सयूवी700 को पिछले साल 15 अगस्त को 11.99 लाख (एक्स-शोरूम) की शुरुआती और शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया था। हालांकि, पिछले एक साल में कीमतों में वृद्धि के कारण, एक्सयूवी700 की शुरुआती कीमत बेस एमएक्स पेट्रोल मैनुअल वेरिएंट के लिए 13.8 लाख (एक्स-शोरूम) हो गई है। महिंद्रा ने एक्सयूवी700 ने अपने शुरुआती दिनों में भारी बुकिंग के साथ भारतीय बाजार में दस्तक दी थी। एसयूवी की पहली 25,000 इकाइयों को बुक होने में एक घंटे से भी कम समय लगा था। हालांकि, मौजूदा आपूर्ति संकट और चिप की कमी के कारण महिंद्रा ने एक्सयूवी700 की डिलीवरी में देरी हो रही है।

महिंद्रा ने एक्सयूवी700 की वर्तमान में भारत में बेची जाने वाली अन्य सभी एसयूवी में सबसे लंबा वेटिंग पीरियड है। वेरिएंट के आधार पर कुछ मामलों में महिंद्रा ने एक्सयूवी700 का वेटिंग पीरियड लगभग दो साल तक बढ़ सकता है। इस साल जून तक महिंद्रा ने एक्सयूवी700 की लगभग 42,000 यूनिट्स की बिक्री की थी। इसका प्रभावी रूप से मतलब है कि लगभग एक लाख ग्राहक अभी भी अपनी ने एक्सयूवी700 एसयूवी की डिलीवरी का इंतजार कर रहे हैं। नई ने एक्सयूवी700 को एक्सयूवी500 के सक्सेसर के रूप में देखा जा रहा है। यह एक नए बॉडी डिजाइन, नए फीचर्स, नए सेफ्टी उपकरण और बहुत कुछ के साथ आती है। एक्सयूवी 700 एडीएएस सुविधाओं की पेशकश करने वाली अपनी कैटेगरी की पहली एसयूवी है। यह टाटा सफारी, एमजी हैक्टर प्लस और यहां तक कि हाल ही में लॉन्च किआ कैरेंस को भी टक्कर देती है।

इंफोसिस का मुनाफा बढ़कर 5,360 करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनी इंफोसिस ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 3.2 प्रतिशत बढ़कर 5,360 करोड़ रुपए हो गया जो बाजार के अनुमान से कम है। इंफोसिस ने अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की शेयर बाजारों को जानकारी देते हुए कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका मुनाफा 5,195 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि जनवरी-मार्च 2022 तिमाही की तुलना में इंफोसिस का मुनाफा 5.7 प्रतिशत कम हुआ है। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 5,686 करोड़ रुपए रहा था। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में कंपनी का राजस्व 23.6 प्रतिशत बढ़कर 34,470 करोड़ रुपए हो गया। अप्रैल-जून 2021 की तिमाही में यह 27,869 करोड़ रुपए रहा था। पहली तिमाही के नतीजों से उत्साहित इंफोसिस ने मांग में मजबूती बने रहने की संभावना को देखते हुए समूचे वित्त वर्ष के लिए अपने राजस्व आकलन को संशोधित करते हुए 14-16 प्रतिशत कर दिया है। पहले कंपनी का आकलन 13-15 प्रतिशत वृद्धि का था। कंपनी का पहली तिमाही में परिचालन मुनाफा गिरकर 20.1 प्रतिशत पर आ गया जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 23.7 प्रतिशत रही थी। वहीं जनवरी-मार्च तिमाही में परिचालन मार्जिन 21.5 प्रतिशत रहा था। इंफोसिस का परिचालन खर्च अप्रैल-जून तिमाही में 14.1 प्रतिशत बढ़ गया। बिक्री एवं विपणन लागत बढ़ने से उसके परिचालन खर्च में बढ़ोतरी हुई है।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन सोना फिसलकर 51,145 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंचा गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 51,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमतें भी 1,331 रुपये टूटकर 54,351 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 55,682 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,726.80 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ है जबकि चांदी बिना किसी बदलाव के 18.62 डॉलर प्रति औंस पर स्थर रही है। घरेलू बाजार में गिरावट के पीछे अंतरराष्ट्रीया बाजार में आया बदलाव है।

पहली तिमाही में केनरा बैंक की छलांग, शुद्ध लाभ 72 फीसदी इजाफे के साथ 2,022 करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एकल आधार पर शुद्ध लाभ में इजाफा किया है। बैंक का जून तिमाही में 72 प्रतिशत बढ़कर 2,022.03 करोड़ रुपये हो गया है। एक साल पहले जून तिमाही में बैंक को 1,177.47 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था। केनरा बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि अप्रैल-जून 2022-23 में उसकी कुल आय बढ़कर 23,351.96 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले समान अवधि में 20,940.28 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में ब्याज से प्राप्त मूल आय 8।3 प्रतिशत बढ़कर 18,176.64 करोड़ रुपये हो गई। बैंक की परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में भी सुधार देखने को मिला है। 30 जून, 2022 के अंत तक बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कम होकर कुल ऋण का 6.98 प्रतिशत रह गईं। जून, 2021 में यह आंकड़ा 8.50 प्रतिशत था। मूल्य के संदर्भ में देखा जाए तो बैंक का सकल एनपीए या फंसा कर्ज कम होकर 54,733.88 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 58,215.46 करोड़ रुपये था। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए भी पिछले वर्ष की समान अवधि के 3.46 प्रतिशत (22,434 करोड़ रुपये) से घटकर 2.48 फीसदी (18,504.93 करोड़ रुपये) रहा है। पहली तिमाही में बैंक का डूबे कर्ज और अन्य आकस्मिक खर्च के लिए प्रावधान (कर के अतिरिक्त) बढ़कर 3,690 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 3,458.74 करोड़ रुपये था। एकीकृत आधार पर जून तिमाही में बैंक का शुद्ध मुनाफा 88 फीसदी बढ़कर 2,058.31 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले समान अवधि में यह 1,094.79 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान बैंक की एकीकृत आय पिछले वर्ष के 23,018.96 करोड़ रुपये से बढ़कर 23,739.27 करोड़ रुपये हो गई।

बैंकिंग शेयरों के दूसरी छमाही में भी तेजी जारी रहने की उम्मीद: विशेषज्ञ

मुंबई ।

पिछले हफ्ते आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक, यस बैंक जैसे दिग्गजों के तिमाही परिणाम आए। जिलमें से ज्यादातर का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसके परिणामस्वरूप बैंकिंग स्टॉक्स अच्छा हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ये तेजी साल की दूसरी छमाही में जारी रहने का अनुमान है। बढ़ती ब्याज दरों, रिटेल लोन के विस्तार और कर्ज की गुणवत्ता में सुधार से इस साल बैंकिंग क्षेत्र के कई शेयरों ने मार्केट इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है! विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कोई बड़ा वृहद-आर्थिक झटका नहीं लगता है, तो यह तेजी आगे भी जारी रहेगी! वर्ष 2022 की शुरुआत से अब तक बीएसई बैंक इंडेक्स पांच प्रतिशत बढ़ा है! इसके विपरीत बीएसई के सेंसेक्स में करीब चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे कुछ प्रमुख बैंकिंग शेयरों में तो 30-40 प्रतिशत तक की तेजी आई है। विश्लेषकों ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र को अर्थव्यवस्था के मदर सेक्टर के रूप में जाना जाता है क्योंकि बैंकों का बेहतर प्रदर्शन अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर दिनों का संकेत देता है लेकिन जब अर्थव्यवस्था खराब होती है तो बैंकिंग क्षेत्र को तगड़ी चोट लगती है।

बचत के साथ सुविधा भी देती है एलआईसी की धनसंचय पॉलिसी

नई दिल्ली ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने पिछले महीने ही एलआईसी लिसी धन संचय पॉलिसी पेश की थी। यह योजना एक नॉन लिंक्ड, गैर भागीदारी वाली बीमा योजना है। यह सुरक्षा के साथ-साथ बचत की सुविधा भी प्रदान करती है। यह मैच्योरिटी की तारीख से भुगतान पीरियड के दौरान मुनाफा उपलब्ध कराती है और आखिरी किस्त के साथ यह गारंटेड टर्मिनल बेनिफिट भी प्रदान करती है। एलआईसी का धन संचय प्लान 5 साल से अधिकतम 15 साल तक के लिए है। यह योजना लोन लेन की भी सुविधा मिलती है। साथ ही अतिरिक्त पैसे देकर आप राइडर्स भी हासिल कर सकते हैं। यह पॉलिसी जारी रहने के दौरान बीमित व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में परिवार को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराती है। इस योजना के तहत कुल चार तरह के प्लान एलआईसी ने पेश किए है ए और बी प्लान के तहत 3,30,000 रुपये का सम एश्योर्ड दिया जाता है, प्लान सी के तहत 2,50,000 रुपये का न्यूनतम सम एश्योर्ड कवर दिया जाएगा। प्लान डी में 22,00,000 रुपये का सम एश्योर्ड कवर मिलेगा। इन प्लान के लिए अधिकतम प्रीमियम की सीमा तय नहीं की गई है। पॉलिसी लेने के लिए न्यूनतम उम्र 3 साल होनी चाहिए। इसके लिए 4 विकल्प दिए गए हैं। विकल्प ए और बी में 50 साल, सी में 65 साल और डी में अधिकतम 40 साल उम्र रखी गई है। इस पॉलिसी में 5 साल से लेकर 10 साल और 15 साल का प्रीमियम पेइंग टर्म होता है। इस पॉलिसी के लिए सबसे कम प्रीमियम सालाना 30,000 रुपये है, जबकि अधिकतम प्रीमियम की कोई सीमा नहीं है। पॉलिसी के दौरान खाताधारक की मृत्यु होने पर कम से कम 2.50 लाख रुपये का सम एस्योर्ड मिलेगा जबकि अधिकतम राशि 22 लाख रुपये मिल सकती है।

किन्नू की खेती में लागत कम मुनाफा ज्यादा

- पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में प्रमुखता से होती है किन्नू की खेती

नई दिल्ली ।

वर्तमान में लोग खेती की तरफ ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं! इसमें लागत उतनी अधिक नहीं होती और जोरादार मुनाफा कमाया जा सकता है। जिसकी खेती की बात कर रहे हैं यह फल है किन्नू जो नींबू वर्ग की एक फसल है। यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ स्वाद में भी जबरदस्त होता है। इसलिए इसकी मांग भी बाजार में काफी अधिक रहती है। किन्नू को पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में प्रमुखता से उगाया जाता है। देखा जाए तो पूरे उत्तर भारत में किन्नू की खेती बड़े पैमाने पर होती है। किनू विटामिन सी से भरपूर होता है जो आपकी हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी है। साथ ही किन्नू के सेवन से आपकी पाचन शक्ति भी बेहतर होती है। किन्नू की खेती दोमट मिट्टी, चिकनी मिट्टी और तेजाबी मिट्टी में आसानी से की जा सकती है। इसकी खेती ऐसे स्थान पर होनी चाहिए जहां से पानी आसानी से बाहर निकल सके। किन्नू की खेती के लिए 13 से 37 डिग्री सेल्सियस का तापमान उत्तम होता है। वहीं इसके लिए 300-400 मिलीमीटर की बारिश पर्याप्त है।

फसल के लिए हार्वेस्टिंग तापमान 20-32 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए। जब किन्नू का रंग अच्छा दिखने लगे तब उसे कैंची की मदद से तोड़ लेना चाहिए। फलों को तोड़कर उसे धोने के बाद अच्छे से सुखा लेना चाहिए। आप इस फल को खुले बाजार या थोक में बेच सकते हैं। इसकी बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता व दिल्ली जैसे शहरों में काफी बिक्री होती है। विदेशों में भी निर्यात कर सकते हैं। श्रीलंका और सऊदी अरब में इस फल को काफी पसंद किया जाता है। एक पेड़ से करीब 80-150 किलो किन्नू मिल सकते हैं। किसानों के अनुसार एक एकड़ में करीब 214 किन्नू के पेड़ लगते हैं। प्रत्येक पेड़ की लागत करीब 50 रुपये होती है। वहीं इसे आप थोक में 20-45 रुपए प्रति तक के भाव से बेच सकते हैं।

वेस्टइंडीज में जीत दर्ज करने वाले पांचवे भारतीय कप्तान बने धवन

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज दौर में भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे शिखर धवन ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। धवन वेस्टंडीज को उसी की धरती पर हराने वाले भारत के पांचवें एकदिवसीय कप्तान बने हैं।

धवन की कप्तानी में भारतीय टीम ने दूसरे एकदिवसीय में जीत के साथ ही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज अपने नाम कर ली है।

विराट कोहली के नाम पर वेस्टइंडीज में सबसे ज्यादा जीत का रिकार्ड है। विराट की कप्तानी में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज में दो सीरीज जीती हैं। वहीं महेंद्र सिंह धोनी, सौरव गांगुली, सुरेश रैना और अब शिखर धवन की कप्तानी में टीम ने एक बार सीरीज जीती है।

भारतीय टीम की बात करें तो उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 12वीं द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज जीती है। इसके साथ ही भारतीय टीम ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ा है। पाक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार 11 एकदिवसीय सीरीज जीतकर रिकार्ड बनाया था। भारतीय टीम ने दूसरे एकदिवसीय में 41 से 50 ओवर के बीच कुल 100 रन बनाए। यह साल 2002 के बाद से ही 41 से 50 ओवर के बीच में चौथे सबसे ज्यादा रन है। इससे पहले साल 2014 में पाक ने बांग्लादेश के खिलाफ 111 जबकि न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ इसी साल 105 रन बनाये थे। वहीं न्यूजीलैंड टीम ने साल 2005 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 102 रन बनाये थे। भारत ने साल 2015 में ऑकलैंड में जिम्बाब्वे के खिलाफ 41 से 50 ओवर में 91 रन बनाए थे।

राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में शामिल एक और ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ी डोप परीक्षण में फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिला चार गुणा 100 मीटर रिले टीम में शामिल एक खिलाड़ी को प्रतिबंधित ड्रग के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद भारतीय टीम से बाहर किया जाना लगभग तय है। कोई भी अधिकारी डोपिंग की दोषी पाई गई खिलाड़ी का नाम जाहिर करने को तैयार नहीं है। एक शीर्ष सूत्र ने विस्तार से जानकारी दिए बगैर बताया, 'राष्ट्रमंडल खेलों के लिए जाने वाली रिले टीम की एक सदस्य पॉजिटिव पाई गई है और उसे हटाया जाएगा।' डोपिंग के इस नवीनतम नतीजे के बाद महिला चार गुणा 100 मीटर रिले टीम में सिर्फ चार सदस्य बची हैं। अगर बाकी बची चार सदस्यों में से कोई चोटिल होता है तो अन्य ट्रैक स्पर्धाओं से किसी को उतारा जा सकता है लेकिन ऐसी स्थिति में टीम का प्रदर्शन प्रभावित होगा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने शुरुआत में 37 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम में दुती चंद, हिमा दास, श्रावणी नंदा, एनएस सिमी, एस धनलक्ष्मी और एमवी जिल्ना को चुना था। लेकिन बाद में जिल्ना को टीम से हटा दिया गया क्योंकि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को सिर्फ 36 खिलाड़ियों का कोटा मिला।

धनलक्ष्मी के डोप परीक्षण में विफल रहने पर हालांकि बाद में जिल्ना को टीम में शामिल किया गया। कथित तौर पर डोपिंग की दोषी पाई गई खिलाड़ी को देर से टीम में शामिल किया गया लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। इससे पहले शीर्ष धाविका एस धनलक्ष्मी और त्रिकूद की ऐश्वर्या बाबू को प्रतिबंधित पदार्थ के लिए दो पॉजिटिव नतीजों के बाद भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। धनलक्ष्मी प्रतियोगिता के इतर दो परीक्षण में पॉजिटिव पाई गई जबकि ऐश्वर्या प्रतियोगिता के दौरान दो परीक्षण में विफल रहीं। धनलक्ष्मी के नमूने में एनाबोलिक स्टेरॉयड पाया गया जबकि चेन्नई में 13 और 14 जून को राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में लिए गए ऐश्वर्या के नमूनों में ओस्टेरिन पाया गया था। इस बीच पैरा चक्का फेंक खिलाड़ी अनीश कुमार और पैरा पावर लिफ्टर गीता भी प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए गए। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अधिकारियों ने प्रतियोगिता के इतर नमूने एकत्रित किए। गीता एनाबोलिक स्टेरॉयड के पॉजिटिव पाई गई जबकि अनीश के नमूने में डाइयुरेटिक और मास्किंग एजेंट (प्रतिबंधित पदार्थ को परीक्षण में छिपाने वाले तत्व) हाइड्रोक्लोरोथियाजिड मिला। गीता को अस्थाई रूप से निलंबित किया गया है और राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। दूसरी तरफ अनीश के राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने की संभावना है क्योंकि उन्हें अस्थाई रूप से निलंबित नहीं किया गया है। हाइड्रोक्लोरोथियाजिड वाडा संहिता के तहत विशिष्ट पदार्थ है। विशिष्ट पदार्थों के लिए अस्थाई रूप से निलंबित किया जाना अनिवार्य नहीं है। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अनुसार अनीश के नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ मिला क्योंकि उन्होंने रक्तचाप की दवा ली थी। उन्होंने हालांकि उपचार के लिए छूट (टीयूई) के लिए आवेदन नहीं किया था। उन्होंने बताया कि अनीश को भेजे नाडा के पत्र में कहा गया है कि वह नौ अगस्त तक स्पष्टीकरण दे सकते हैं कि यह पदार्थ उनके शरीर में कैसे आया। पीसीआई सूत्र ने कहा, 'अनीश ने नाडा को सूचित किया है कि रक्तचाप के लिए ली गई दवा के कारण उनके नमूने में यह पदार्थ पाया गया।' उन्होंने कहा, 'उसे अस्थाई निलंबित नहीं किया गया है, हम उम्मीद कर रहे हैं कि उसे राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने की स्वीकृति मिलेगी।

हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम बर्मिंघम रवाना हुई

राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय टीम का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम आज सुबह राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए बर्मिंघम रवाना हो गई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें टीम बेंगलुरु से रवाना होती हुई नजर आ रही है। राष्ट्रमण्डल खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट को शामिल किया गया है।

इन खेलों में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदारों में शामिल है। टीम की उपकप्तानी स्मृति मंधाना को मिली है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 29 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच से करेगी। भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है। इस ग्रुप में भारत और ऑस्ट्रेलिया के अलावा पाकिस्तान और बारबाडोस की टीम शामिल है। वहीं ग्रुप बी में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें हैं। इस टूर्नामेंट के सभी 16 मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट मैदान पर होंगे। इन खेलों में क्रिकेट की शुरुआत 29 जुलाई से होगी जबकि फाइनल और तीसरे स्थान

के लिए प्लेऑफ मुकाबला 7 अगस्त को होगा। एक दिन में दो मैच होंगे। दिन का पहला मुकाबला भारतीय समय के अनुसार दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच रात 10:30 से होगा।

भारतीय महिला टीम इस प्रकार है- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, एस मेघना, तानिया भाटिया, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्रकार, मेघना सिंह, रेणूका ठाकुर, जेमिमा रॉड्रिग्स, राधा यादव, हरलीन देओल और स्नेह राणा।

वेस्टइंडीज को हराते ही भारत ने रचा इतिहास, पाकिस्तान के वर्ल्ड रिकॉर्ड को किया ध्वस्त

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)।

भारतीय टीम इस वक्त वेस्टइंडीज दौरे पर है। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की टीम फिलहाल तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेल रही है। दूसरे मैच में भारत ने वेस्टइंडीज को 2 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। तीन मैचों की सीरीज में भारत ने 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इसका मतलब साफ है कि भारत ने किस चीज पर अपना कब्जा जमा लिया है। इसके साथ ही भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 12 वनडे सीरीज जीतने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। भारत की यह किसी भी टीम के खिलाफ लगातार सबसे अधिक वनडे सीरीज जीतने का

वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। इस उपलब्धि के साथ ही भारत ने पाकिस्तान का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। पाकिस्तान ने अब तक लगातार 11 बार जिंबाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज जीते थे।

किसी भी टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे सीरीज जीतने के रिकॉर्ड की बात करें तो भारत नंबर 1 पर आ गया है। दूसरे स्थान पर पाकिस्तान है जिसने जिंबाब्वे को लगातार 11 वनडे सीरीज में मात दी है। तीसरे पर भी पाकिस्तान का ही दबदबा है। उसने वेस्टइंडीज को 10 बार हराया है। साउथ अफ्रीका ने जिंबाब्वे को लगातार नौ बार हराकर चौथे नंबर पर है। वहीं भारत ने श्रीलंका को लगातार 9 सीरीज में हराया है। आपको बता दें कि आलराउंडर अक्षर पटेल की 35 गेंद में 64 रन की नाबाद पारी के दम पर भारत ने रविवार को यहां रोमांच से भरे दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को दो गेंद शेष रहते दो विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की।भारत के सामने 312 रन का बड़ा लक्ष्य था लेकिन अक्षर ने अपनी पारी में पांच छक्के और तीन चौके जड़कर टीम को शानदार जीत दिलाई। भारतीय टीम की शुरूआत धीमी रही लेकिन पहले श्रेयस अय्यर (63 रन) और संजू सैमसन (54 रन)ने चौथे विकेट के लिये 99 रन की साझेदारी करके जिम्मेदारी संभाली जबकि बाद में अक्षर ने धमाल मचाया। अक्षर के छक्के से टीम ने 49.4 ओवर में आठ विकेट पर 312 रन बनाये। उन्होंने 40 रन देकर एक विकेट भी झटका।

मिताली राज ने दिया क्रिकेट में वापसी का संकेत, पिछले महीने लिया था संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन सत्र के जरिये क्रिकेट में वापसी का अंदेशा दिया है। मिताली ने सोमवार को आईसीसी की पोडकास्ट पर कहा, 'मैंने उस विकल्प (महिला आईपीएल) को खुला रखा है। मैंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। अभी महिला आईपीएल के आयोजन में कुछ समय बाकी है। उसके पहले सत्र का हिस्सा बनना मजेदार होगा।' उल्लेखनीय है कि बहुप्रतीक्षित महिला आईपीएल की शुरुआत अगले वर्ष होनी है। मिताली ने पिछले महीने अपने 23 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर पर विराम लगा दिया था। मिताली ने कहा, 'मुझे लगा था कि इससे (रिटायरमेंट से) मेरे जीवन की रफ्तार कम हो जाएगी। मुझे अपने दिन, हफ्ते या अगली श्रंखला की योजना नहीं बनानी होगी। जब मैंने सन्यास लेने की घोषणा की, तब मैं कोरोना संक्रमित थी। जब मैं उससे उबरी तो फिल्म (मिताली की बायोपिक 'शाबाश मिठू') के प्रोमोशन में व्यस्त हो गई।'

न्यूजीलैंड की टीम में केन विलियम्सन की वापसी, वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेंगे सीरीज

वेलिंगटन। केन विलियमसन की अगुवाई में न्यूजीलैंड की टीम आठ साल में वेस्टइंडीज के अपने पहले दौरे पर जाएगी। वेस्टइंडीज की टीम 10 से 21 अगस्त तक होने वाले इस दौरे में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। विलियमसन ने विश्राम के बाद टीम में वापसी की है। बल्लेबाज टॉम लैथम और डेवोन कॉनवे तथा तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी ने भी विश्राम के बाद वापसी की है। वेस्टइंडीज का दौरा न्यूजीलैंड के लिए काफी अहम है क्योंकि इससे वह टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम की तैयारियों का आकलन करना चाहेगा। न्यूजीलैंड ने इससे पहले आखिरी बार 2014 में वेस्टइंडीज का दौरा किया था। टीम इस प्रकार है- केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गप्टिल, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी।

लीस्टर क्रिकेट स्टेडियम अब गावस्कर स्टेडियम हुआ

लंदन (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और लिटिल मास्टर के नाम से लोकप्रिय महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को इंग्लैंड में खास सम्मान मिला है। दुनिया के महानतम बल्लेबाजों में शामिल रहे गावस्कर के नाम पर लीस्टर क्रिकेट स्टेडियम को जाना जाएगा। एक कार्यक्रम के दौरान इस स्टेडियम का नाम गावस्कर के नाम पर रखा गया। इस दौरान स्वयं गावस्कर उपस्थित थे। यह क्रिकेट मैदान भारत स्पोर्ट्स एंड क्रिकेट क्लब का है। लीस्टर के इस मैदान का नाम बदलने का अभियान भारतीय मूल के सांसद रहे कीथ वाज ने शुरू किया था। वाज ने ब्रिटिश संसद में 32 साल तक लीस्टर का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने ही गावस्कर के नाम पर इस स्टेडियम का नाम रखने की पहल की थी, जिसे सहमति मिल गयी थी।

गावस्कर भी इस क्रिकेट मैदान का नाम बदलने के कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'मेरे लिए यह गर्व और सम्मान की बात है। लीस्टर में मैदान का नाम मेरे पर रखा गया। यह मेरे लिए नहीं बल्कि उन सभी के लिए एक पहचान है, जो मेरे साथ टेनिस गेंद के दिनों से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेले। मेरे परिवार और अंत में मेरे प्रशंसकों और शुभचिंतकों सभी का आभार, इस अविस्मरणीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का धन्यवाद।' गौरतलब है कि यह कोई पहला मामला नहीं है, जब किसी देश में स्टेडियम का नाम गावस्कर पर रखा गया है। इससे पहले भी अमेरिका के केंटकी और तंजानिया के जांजीबार में उनके नाम पर स्टेडियम का नाम रखा गया है। केंटकी में साल 2017 में क्रिकेट स्टेडियम

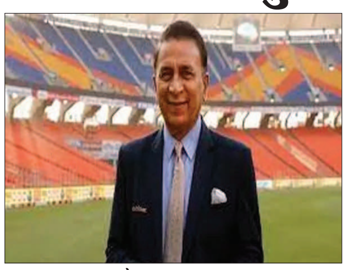

का नाम गावस्कर के नाम पर रखा गया था। गावस्कर हाल ही में भारत-इंग्लैंड के बीच हुई टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज के दौरान कमेंट्री करते नजर आए थे। गावस्कर ने 1987 में सबसे पहले टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया था।

विराट का लक्ष्य एशिया कप और विश्वकप में टीम को जीत दिलाना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि उनका लक्ष्य टीम इंडिया को एशिया कप और विश्व कप में जीत दिलाना है और इसके लिए वह अपनी ओर से सभी प्रयास करेंगे। माना जा रहा है कि विराट ने अपने इस बयान के जरिये आलोचकों को जवाब दिया है। लंबे समय से फार्म में नहीं होने के कारण विराट आजकल आलोचकों के निशाने पर है। यहां तक की उन्हें टीम से बाहर किये जाने की भी मांग की जाती रही है। इस सबके बीच ही विराट ने अपने प्रशंसकों को दिये एक संदेश में कहा, 'मेरा लक्ष्य टीम इंडिया को एशिया कप और विश्वकप जीतने में मदद करना है. इसके लिए जो भी कुछ करना होगा, उसके लिए मैं तैयार हूं।' एशिया कप सितंबर में में यूएई में होने की संभावना है जबकि विश्व कप अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होगा।

अभी आराम कर रहे विराट अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका के साथ पेरिस गये हैं। उन्हें अब अगले एक महीने तक कोई सीरीज नहीं खेलनी है क्येंकि अगले माह भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। उसी के बाद एशिया कप खेला जाएगा। विराट सहित अनुभवी खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज दौरे के लिए आराम दिया गया है। विराट इससे पहले इंग्लैंड दौर में असफल रहे थे। ऐसे में वापसी के बाद उनके ऊपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहना तय है।

शतरंज ओलंपियाड: तैयारियां जारी, परीक्षण प्रतियोगिता आयोजित

चेन्नई। शतरंज ओलंपियाड का 44वां टूर्नामेंट शुरू होने में अब जब सिर्फ चार दिन बचे हैं तब तैयारियों का जायजा लेने के लिए रविवार को यहां परीक्षण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से पहले शहर में आज ओलंपियाड की विशेष दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें कुछ हजार लोगों ने हिस्सा लिया। एमए सुब्रमण्यम, टीएम अनबरासन और पीके शेखर बाबू जैसे राज्य मंत्री भी प्रतियोगिता के दौरान मौजूद थे। विभिन्न आयु वर्ग में हुई प्रतियोगिता में एक हजार 414 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। आयोजकों ने दावा किया कि 1414 खिलाड़ियों

के साथ परीक्षण प्रतियोगिता का आयोजन करके नोबल बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल होने का प्रयास किया गया। शतरंज ओलंपियाड का आयोजन पहली बार भारत में हो रहा है जो यहां के समीप मामल्लापुरम में खेला जाएगा। ओलंपियाड में 180 से अधिक देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत ओपन और महिला दोनों वर्ग में अपनी तीन-तीन टीम उतारेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां नेहरू इंडोर स्टेडियम में 28 जुलाई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की मौजूदगी में प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे। मुकाबले 29 जुलाई से खेले जाएंगे जो 10 अगस्त तक चलेंगे। ओलंपियाड को सफल बनाने के लिए तमिलनाडु सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मुख्यमंत्री स्टालिन स्वयं इंतजामों का जायजा ले रहे हैं और तैयारियों के निरीक्षण के लिए आयोजन स्थल का दौरा कर रहे हैं।

सचिन तेंदुलकर ने पिता बनने पर कुणाल पांड्या और उनकी पत्नी को दी बधाई

मुंबई। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने कुणाल पांड्या और उनकी पत्नी पंखुड़ी शर्मा को माता-पिता बनने पर बधाई दी है। भारत के हरफनमौला खिलाड़ी क्रुणाल पांड्या की पत्नी पंखुड़ी ने बेटे को जन्म दिया है जिसका नाम उन्होंने कवीर क्रुणाल पांड्या रखा है। कुणाल ने रविवार को अपने ट्विटर पर तस्वीरें शेयर करते हुए अपने बेटे के नाम की घोषणा की। इसमें पंखुरी के साथ भारतीय ऑलराउंडर थे जो अपने बच्चे को अपने हाथों में पकड़े हुए थे। क्रुणाल ने कैप्शन में दिल वाले इमोजी के साथ लिखा, कवीर क्रुणाल पांड्या। साथी खिलाड़ियों और क्रिकेट जगत से भारतीय खिलाड़ी को शुभकामनाएं मिल रही हैं। सचिन तेंदुलकर ने ट्विटर पर कुणाल और पंखुड़ी को बधाई देते हुए कहा, आप दोनों को बहुत-बहुत बधाई! पितृत्व की यात्रा के लिए शुभकामनाएं। कवीर को भगवान का आशीर्वाद और ढेर सारा प्यार। पूर्व क्रिकेट और वर्तमान संसद सदस्य हरभजन सिंह ने भी क्रिकेटर और उनकी पत्नी को बधाई देते हुए कहा, 'बधाई हो ... भगवान भला करे।' हार्दिक पांड्या ने भी अपने भाई और भाभी को उनकी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'लव यू बेबीज'' कहते हुए शुभकामनाएं दीं। हार्दिक के साथ कई अन्य भारतीय क्रिकेटरों और क्रुणाल के दोस्तों ने उन्हें इंस्टाग्राम पोस्ट पर शुभकामनाएं दीं। कुणाल ने दिसंबर 2017 में पंखुरी शर्मा के साथ शादी के बंधन में बंधे थे। पंखुरी को अकसर भारत और इंडियन प्रीमियर लीग मैचों के दौरान क्रुणाल को चीयर करते हुए स्टेडियम में देखा गया है। दूसरी और क्रुणाल ने आखिरी बार जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ऑलराउंडर ने इंग्लैंड के खिलाफ 2018 में पदार्पण करने के बाद 5 एकदिवसीय और 19 टी20 खेले हैं।

भारतीय टेबल टेनिस टीम के लिए आसान नहीं होगा बर्मिंघम में गोल्ड कोस्ट की बराबरी करना

लंदन।(एजेंसी)।

पिछली बार गोल्ड कोस्ट में नई ऊंचाइयां हासिल करने वाली भारतीय टेबल टेनिस टीम यदि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 2018 की बराबरी भी कर लेती है तो यह उसके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे। इनमें से दो स्वर्ण सहित आधे पदक मनिका बत्रा ने जीते थे जिसके बाद उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ गई थी।

दिल्ली की रहने वाली इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने सिंगापुर की ओलंपिक पदक विजेता फेंग तियानवेइ को एक बार नहीं बल्कि दो बार हराकर भारत को व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक दिलाया था। सिंगापुर की 35 वर्षीय खिलाड़ी अब बर्मिंघम में मनिका से बदला लेने के लिए तत्पर होंगी। भारतीय महिला टीम इस समय थोड़ा बदली हुई नजर आएगी। विश्व में 41वीं रैंकिंग की मनिका के साथ श्रीजा अकुला, रीत ऋष्य और दिया चिताले भारतीय चुनौती पेश करेंगी। अपने पांचवें और आखिरी राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले रहे भारत के सर्वश्रेष्ठ टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल, सदाबहार जी साथियान, हरमीत देसाई और सानिल शेट्टी भारतीय पुरुष टीम की चुनौती पेश करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने पुर्तगाल में अभ्यास किया और उसके बाद हंगरी में प्रतियोगिता में भाग लिया। भारतीय टेबल टेनिस टीम का गठन करना आसान नहीं रहा क्योंकि तीन खिलाड़ियों ने चयन नहीं होने पर अदालत का दरवाजा खटखटा दिया था। इनमें से केवल चिताले को ही फायदा हुआ जिन्हें अर्चना कामत की जगह टीम में लिया गया। कामत खेलों में मनिका के साथ युगल जोड़ी बना सकती थी। चार सदस्यीय पुरुष दल में वही खिलाड़ी शामिल है जिन्होंने गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था। इन खिलाड़ियों को काफी अनुभव है और उम्मीद की जा रही है कि वह टीम खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। भारत को टीम स्पर्धा में इंग्लैंड और नाइजीरिया के बाद तीसरी वरीयता मिली है। एकल में आखिरी बार 2006 में मेलबर्न में स्वर्ण पदक जीतने वाले 40 वर्षीय शरत ने कहा, ''इंग्लैंड की टीम नाइजीरिया की तुलना में थोड़ा मजबूत है। हमारा लक्ष्य निश्चित तौर पर व्यक्तिगत के अलावा टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतना है।''

नाइजीरिया की टीम में विश्व के 12वें नंबर की खिलाड़ी अरुणा कादरी हैं जबकि इंग्लैंड की टीम में लियाम पिचफोर्ड और अनुभवी पाल ड्रिंकहाल हैं। भारतीयों के पास हालांकि सभी स्पर्धाओं में पदक जीतने के मौके रहेंगे। भारत ने गोल्ड कोस्ट में मिश्रित युगल और युगल में स्वर्ण पदक नहीं लेकिन कुल चार पदक जीते थे और इस बार भी इसी तरह के परिणाम की उम्मीद है। शरत और मनिका के अलावा साथियान भी पुरुष युगल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक के दावेदार हैं। भारतीय टीम इस प्रकार है- पुरुष- शरत कमल, जी साथियान, हरमीत देसाई, सानिल शेट्टी। महिला- मनिका बत्रा, रीत ऋष्य, श्रीजा अकुला, दीया चिताले।

बारिश और बाढ़ से निपटने के लिए पूर्व आयोजन करने में सरकार फिर एक बार नाकाम:कांग्रेस

अहमदाबाद।

पिछले कई दिनों से गुजरात में हो रही भारी बारिश और बाढ़ से व्यापक नुकसान हुआ है। गुजरात कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बारिश और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पूर्व आयोजन करने में राज्य सरकार फिर एक बार नाकाम साबित हुई है। गुजरात कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में पत्रकार परिषद में विधानसभा में कांग्रेस के दंडक सीजे चावडा ने कहा कि राज्य के नागरिकों को प्राकृतिक आपदा में मदद करने के नीति नियम केवल कागज तक सीमित हैं। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के कांग्रेस विधायक और नेताओं से बारिश और बाढ़ प्रभावित परिवारों ने पेशकश की है। भारी बारिश से अनेक इलाकों में जबर्दस्त नुकसानहुआ है, घरेलू सामान बर्बाद हो गया है, कई मकान धुल गए हैं। सरकार घोषणाएं करती है, पर सर्वे नहीं करती। परिपत्र जारी करती है लेकिन उसका अमल नहीं करती। प्राकृतिक आपदा में मेन्युअल है, परंतु नीति का अभाव है। प्रभावित परिवारों तक पहुंचने में प्रशासन नाकाम साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि केशडोल्स के नियमों में सुधार बेदह जरूरी है, पूरे परिवार को कैशडोल्स नहीं मिलता। सर्वे की घोषणा भले ही कर दी गई हो, लेकिन सर्वे कब शुरू होगा इसका पता नहीं। किसान और पशुपालकों की हालत बेहद दयनीय है। ऐसे में प्रभावित लोगों के नुकसान के बारे में कांग्रेस की ओर से ऑनलाइन-ऑफलाइन फार्म के जरिए प्रशासन के समक्ष पेश करने का फैसला किया है। ताकि पुनर्वास, राहत सामग्री, राहत कैम्प इत्यादि के लिए जल्द कार्यवाही शुरू हो।

गुजरात में मई महीने से गौवंश में लंपी नामक भयाक वायरस फैलता होने के बावजूद प्रशासन इसके बारे में किसानों, पशुपालकों को जागृत करने और इससे निपटने के लिए टीकाकरण करने में असफल साबित हुआ है।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के प्रमुख पाल आंबलिया ने कहा कि किसान कांग्रेस द्वारका-जामनगर और कच्छ की गौशालाओं के संचालक सेवाभावी संस्थाओं से मुलाकात कर स्थानीय प्रशासन को जगाने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री और पशुपालनमंत्री को 16 मांगों के साथ गुजरात किसान कांग्रेसने पत्र लिखा, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया। सरकार और प्रशासन हरकत में तो आया व तलाटी मंत्री को आदेश करता परिपत्र जारी कर दिया। परिपत्र के मुताबिक तलाटी मंत्री घर घर जाकर बीमार पशुओं को दर्ज कर 25 जुलाई को रिपोर्ट जमा करे। दुःख की बात यह है कि तीन गांवों के बीच एक तलाटी मंत्री है, ऐसे में वह तीन दिन के भीतर रिपोर्ट कैसे तैयार करेगा?

इसी प्रकार कच्छ डीडीओ द्वारा भी 21 को कहा गया कि हमने कच्छ में 80000 गौवंश का टीकाकरण किया है। कमाल की बात यह है कि कच्छ में कुल 14 पशुचिकित्सक हैं जो 80000 गौवंश का टीकाकरण कर सकते हैं क्या? बीते दिन राज्य के सूचना विभाग ने टीकाकरण के आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें कहा गया है कि कच्छ में 99।8। गौवंश का टीकाकरण किया गया है। 99।8। में 80000 हजार घटाएं तो बचे 19।8 । गायों को केवल 3 दिन में 14 पशु चिकित्सकों ने टीकाकरण कैसे किया होगा? कांग्रेस का सरकार से अनुरोध है कि कोरोना की तरह लम्पी वायरल के फर्जी आंकड़े जारी करने के बजाए सही जानकारी उपलब्ध कराए। कागज पर टीकाकरण के बजाए गौवंश को बचाने के लिए वास्तविक टीकाकरण किया जाए। । महीनों से गौशालाओं की बकाया सब्सिडी का तुरंत भुगतान किया जाए। गुजरात के हजारों गोदामों में लाखों टन घास-चारा पड़ा जो पशुओं को मुहैया कराया जाए। गौवंश में लम्पी नामक वायरल को महामारी घोषित करने के साथ ही उसे एसडीआरएफ के प्रावधानों में शामिल कर मृत गाय के एवज में किसानों को मुआवजा दिया जाए।

गुजरात में आगामी 5 दिन बारिश की संभावना, 27 जुलाई से बारिश का जोर घटेगा

अहमदाबाद।

मौसम विभाग ने राज्य में आगामी 5 दिन बारिश की संभावना जताई है। 27 जुलाई से राज्य में बारिश का जोर घटेगा और सामान्य से मध्यम बारिश हो सकती है। हांलाकि आज सौराष्ट्र-कच्छ समेत दक्षिण गुजरात के शहरों में भारी बारिश होगी। दक्षिण गुजरात के वलसाड, नवसारी, डांग और तापी में भारी बारिश की संभावना है। जबकि सौराष्ट्र समेत कच्छ में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 जुलाई को राज्य में सामान्य से मध्यम बारिश होगी और 2। जुलाई से बारिश का जोर घटेगा यानी काफी कम इलाकों में सामान्य बारिश होगी। हांलाकि 48 घंटों के दौरान सौराष्ट्र-कच्छ और दक्षिण गुजरात भारी बारिश हो सकती है। 25 जुलाई की सुबह 6 बजे तक पूर्ण हुए 24 घंटों के दौरान राज्य की 80 तहसीलों में बारिश हुई है। इन तहसीलों में 1 ईंच से लेकर 6 ईंच तक बारिश दर्ज हुई है।

सबसे अधिक उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जिले थराद में 6 ईंच बारिश हुई है। लाखणी, कठलाल, सूईगाम, वडगाम और पालनपुर समेत 5 तहसीलों में 3 ईंच से अधिक बारिश हुई। जबकि मेहमदाबाद, खेरगाम, दांता, वाव, महुधा, धानेरा, डीसा, अंजारस सतलासणा, वालियास संतरामपुर, भुज, बालासिनोर समेत 13 तहसीलों में 2 ईंच जितनी बारिश दर्ज हुई। जबकि 58 तहसीलों में 1 ईंच बारिश हुई है। बारिश के चलते बनासकांठा के निचले इलाके जलमग्न हो गए। बनासकांठा जिले के कांकरेज में बनास नदी के किनारे के गांवों को अलर्ट कर दिया गया है। बुकोली, उंबरी, खरिया, देवपुर, रूणी समेत 33 गांवों को अलर्ट किया गया है। बता दें कि गुजरात में मौसम की अब तक 66 प्रतिशत जितनी बारिश हो चुकी है। जिसमें सबसे अधिक कच्छ में 116.30, दक्षिण गुजरात में 80.47 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 60.69 प्रतिशत, पूर्व गुजरात में 56.34 प्रतिशत और उत्तर गुजरात में 46.82 प्रतिशत बारिश दर्ज हुई है।

पीएम मोदी 29 जुलाई को गिफ़्ट इंटरनेशनल फ़ाइनेंशियल सर्विसेज़ सेंटर का दौरा करेंगे

गांधीनगर ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 29 जुलाई, 2022 शुक्रवार को भारत के प्रथम इंटरनेशनल फ़ाइनेंशियल सर्विसेज़सेंटर (आईएफएससी), गुजरात इंटरनेशनल फ़ाइनेंस टेक-सिटी (गिफ़्ट सिटी) का दौरा करेंगे। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय वित्त मंत्री एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन, केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ.भागवत किशनराव कराड व पंकज चौधरी तथा गुजरात के वित्त एवं ऊर्जा मंत्री कनु देसाई उपर्-स्थत होंगे। पीएम मोदी अपने इस दौरे मेंइंटरनेशनल फ़ाइनेंशियल सर्विसेज़ सेंटर्स ऑथोरिटी (आईएफएससीए) के मुख्यालय भवन की आधारशिला रखेंगे; जो भारत में इंटरनेशनल फ़ाइनेंशियल सर्विसेज़ सेंटर्स (आईएफएससीए) में वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों के विकास एवं विनियमन के लिए एकीकृत नियामक है। आईएफएससीए के मुख्यालय को एक आइकॉनिक स्ट्रक्चर के रूप में परिकल्पित किया गया है;जो एक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केन्द्र के रूप में गिफ़्ट-आईएफएससी की प्रमुखता और क़द को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गिफ़्ट-आईएफएससी में भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज, इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) का शुभारंभ करेंगे। आईआईबीएक्स भारत में सोने के वित्तीयकरण को बढ़ावा देने के अलावाजम्मिेदार सोर्सिंग और गुणवत्ता के विश्वास के साथ एफ़िशिएंट प्राइस डिसकवरी की सुविधा प्रदान करेगा। यह भारत को ग्लोबल बुलियन मार्केट में अपना सही स्थान हासिल करने और प्रामाणिकता एवं गुणवत्ता के साथ ग्लोबल वैल्यू चेन की सर्विस के लिए सशक्त बनाएगा। यह भारत को एक प्रमुख उपभोक्ता के रूप में वैश्विक बुलियन मूल्यों को प्रभावित करने में सक्षम बनाने के लिए भारत सरकार

की प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करता है। मोदी एनएसई आईएफ़एससी-एसजीएक्स कनेक्ट भी लॉन्च करेंगे। इसके तहत सिंगापुर एक्सचेंज लिमिटेड (एसजीएक्स) के सदस्यों द्वारा दिए गए निफ़्टी डेरिवेटिव पर सभी ऑर्डर्स को एनएसई-आईएफ़एससी ऑर्डर मैचिंग और ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म पर रूट और मैच किया जाएगा। उपरोक्त कनेक्ट गिफ़्ट-आईएफ़एससी में डेरिवेटिव मार्केट्स में लिक्विडिटी को गहरा करेगा, अधिक अंतरराष्ट्रीय सहभागियों को लाएगा और गिफ़्ट-आईएफ़एससी में फ़ाइनेंशियल इकोसिस्टम पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। भारत और इंटरनेशनल जुरिस्डिक्शन के ब्रोकर-डीलरों से कनेक्ट के माध्यम से ट्रेडिंग डेरिवेटिव्स के लिए बड़ी संख्या में भाग लेने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के दौरे में कई अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएँ भी की जाएँगी।

सरदार सरोवर डैम के जलस्तर में बड़ी वृद्धि, राज्य के 207 जलाशयों में 60.08 प्रतिशत जल संग्रह

गांधीनगर।

गुजरात में हो रही अच्छी बारिश के चलते राज्य के 20। जलाशयों में 60.08 प्रतिशत पानी का संग्रह हुआ है। खासकर गुजरात की जीवनदायिननी सरदार सरोवर नर्मदा डैम के जलस्तर में बड़ी वृद्धि हुई है। ऊपरी हिस्सों में हो रही बारिश की वजह से नर्मदा डैम का जलस्तर 125. ।9 मीटर पर पहुंच गया है। फिलहाल नर्मदा डैम में 2 लाख 92 हजार क्यूसेक पानी की आय हो रही है। मध्य प्रदेश के इंदिरा सागर और तवा डैम के दरवाजे खोले जाने से गुजरात के नर्मदा डैम में पानी की विपुल आय हो रही है। मौजूदा स्थिति में नर्मदा डैम में पानी का कुल स्टोरेज 1820 मिलियन क्यूबिक मीटर है। पिछले 24 घंटों में डैम के जलस्तर में 1. ।5 मीटर की वृद्धि हुई है। नतीजतन आरबीपीएच और सीएचपीएच के सभी पावर हाउस यूनिट चालू कर दिए गए हैं। सरदार सरोवर डैम समेत राज्य की 20। जलाशयों में वर्तमान में 60.08 प्रतिशत पानी का संग्रग हुआ है। सरदार सरोवर बांध में 211555 एमसीएफटी यानी कुल संग्रह क्षमता का 63.32 प्रतिशत पानी जमा हुआ है। जबकि 206 जलाशयों में 3.24494 एमसीएफटी यानी कुल जलसंग्रह 58.13 प्रतिशत है। राज्य के जलसंपत्ति विभाग के फ्लड सेल से प्राप्त जानकारी के मुताबिक राज्य के 35 जलाशयों में 100 प्रतिशत से अधिक जलसंग्र हुआ है। जबकि 41 जलाशयों में 90 से 100 प्रतिशत के बीच, सरदार सरोवर समेत 33 जलाशयों में 50 से ।0 प्रतिशत, 41 जलाशयों में 25 से 50 प्रतिशत के बीच और 56 जलाशयों में 25 प्रतिशत भी कम जलसंग्रह हुआ है। इनमें उत्तर गुजरात के 15, मध्य गुजरात के 1।, दक्षिण गुजरात के 13, कच्छ के 20 और सौराष्ट्र के 141 जलाशय शामिल हैं। फिलहाल राज्य में 35 जलाशयों के 100 प्रतिशत से अधिक और 18 जलाशयों के 90 से 100 प्रतिशत भर जाने से हाईअलर्ट पर हैं। 8 जलाशय 80 से 90 प्रतिशत भरे हैं, इन पर अलर्ट है और ।0 से 80 प्रतिशत भरे 14 जलाशयों पर सामान्य चेतावनी जारी की गई है।

मंकीपॉक्स को लेकर गुजरात सतर्क, अहमदाबाद के सिविल में खास वार्ड का इंतजाम

अहमदाबाद। कोरोना से लोगों को पूरी तरह निजात नहीं मिली थी कि अब दुनियाभर में मंकीपॉक्स से हाहाकार मचा हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स वायरल को लेकर हेल्थ इमर्जेंसी का ऐलान कर दिया है। भारत में अब तक मंकीपॉक्स वायरस के 4 मरीज सामने आए हैं, जिसे देखते हुए सरकार भी सतर्क हो गई है। गुजरात का स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है और अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में खास वार्ड का इंतजाम किया गया है। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल के डी-9 वार्ड में 8 बेड तैयार कर दिए गए हैं, ताकि गुजरात में कोई मंकीपॉक्स का मामला सामने आता है तो उसका तुरंत उपचार किया जा सके। साथ ही अन्य लोग इससे संक्रमित ना हों इसका ऐहतियात बरता जाए। सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि मंकीपॉक्स प्राणियों से इंसानों में फैलने वाला वायरस है। हांलाकि यह रोग कोरोना की भांति हवा के माध्यम से नहीं फैलता। राहत की बात है कि गुजरात में अब तक मंकीपॉक्स का एक भी मामला सामने नहीं आया है, परंतु ऐहतियात के तौर पर सिविल अस्पताल को सतर्क कर दिया गया है। भविष्य में 8 के बजाए 18 बैड की जरूरत होगी तो उसकी भी व्यवस्था की जाएगी। किसी भी वायरस से संक्रमित होने के बाद उत्पन्न लक्षण को समझना जरूरी है। इस वायरस से संक्रमित इंसान में फीवर, गले में खराश, सांस में दिक्कत होती है। इसके अलावा चिकनपॉक्स की तरह शरीर में रैशेज और दाने बन जाते हैं, जो पूरे शरीर पर दिखने लगते हैं। दाने का आकार बड़ा होता है और इसमें पस भर जाती है। इसका इनक्यूबेशन पीरियड 5 से 21 दिन का है, यह अपने आप ठीक हो जाता है। इससे बचने के लिए कोरोना की भांति मास्क लगाएं और गाइडलाइन का पालन करें। गौरतलब भारत सहित अब तक ।5 देशों में वायरस की पुष्टि हो चुकी है। 16 हजार से अधिक मामले सामने आ चुके हैं और 5 लोगों की जान जा चुकी है। अकेले भारत में 4 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिसमें 3 केरल में और एक मरीज दिल्ली में है। डब्ल्यूएचओ ने मौजूदा हालात को देखते हुए ग्लोबल इमरजेंसी घोषित कर दी है। यह वायरस हवा में नहीं फैलता है, लेकिन मरीज के संपर्क में आने से, उसके ड्रॉपलेट्स से और शारीरिक संबंध की वजह से एक से दूसरे में जा सकता है। इस वजह से यह 98 परसेंट समलैंगिक में पाया जा रहा है। इस वायरस से बचाव के लिए जरूरी है कि जो संक्रमित हैं उन्हें आइसोलेट कर दिया जाए और बाकी लोगों को उससे दूर रखा जाए।

टाटा ब्लूस्कोप स्टील ने कवच प्रो-सर्टिफिकेशन वर्कशॉप लॉन्च किया

साणंद (गुजरात)।

टाटा ब्लूस्कोप स्टील ने भारतीय स्टील बिल्डिंग एवं कंस्ट्रशक्शजन उद्योग को सहयोग देने एवं उसे प्रोत्साहित करने के अपने प्रयास में, पहले चरण में अपना अनूठा स्ट्रनक्च रल रिगर्स एंड रूफर्स प्रोफेशनल सर्टिफिकेशन प्रोग्राम शुरू किया है। कंपनी ने यह प्रोग्राम 21 जुलाई 2022 को प्रतिष्ठित कस्टमर साइट्स में से एक, गुजरात के साणंद में, आईडेक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में लॉन्चो किया।

यह पहल व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित स्ट्र्क्चारल रिगर्स एंड रूफर्स की कमी को दूर करेगी, जिसका सामना इंडस्ट्री को मौजूदा समय में करना पड़ रहा है। इससे इन प्रशिक्षित कामगारों की रोजगार प्राप्त करने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

टाटा ब्लूस्कोप स्टील के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार त्रिवेदी ने इस कार्यक्रम की अवधारणा पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, "निर्माण क्षेत्र से जुड़े कामगारों को एक प्लेअटफॉर्म की जरूरत है जो सुनिश्चित करते हों कि उन्हेंद सही प्रशिक्षण और तकनीकी जानकारी मिले ताकि वे बेहतर प्रोफेशनल बन सकें। कवच प्रो-सर्टिफिकेशन प्रोग्राम उन्हें व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित करने और सशक्त बनाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। इससे विश्व्स्त रीय सुरक्षा प्रणालियों के साथ निर्माण उद्योग का स्तकर और बेहतर होगा ।

कवच प्रो-सर्टिफिकेशन

उद्योग के शीर्ष पेशेवरों और सीआईडीसी (कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री डिवेलपमेंट काउंसिल) के प्रशिक्षकों द्वारा ट्रेनिंग मॉडूयल बनाया जाता है। एक दो दिवसीय वर्कशॉप में साइट पर व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ थ्योरी भी पढ़ाई जाती है।

इस मॉड्यूल में शामिल हैं:-

- निर्माण के सुरक्षित तरीकों पर प्रशिक्षण
- ऊंचाई पर काम करने और गंभीर काम करने का प्रशिक्षण
- मोबाइल उपकरणों के संचालन की तकनीक और जोखिम का प्रशिक्षण
- मूल्यांकन के बाद सर्टिफिकेट मिलना

बड़ौदा बीएनपी परिबा म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया फ्लेक्सी कैप फंड

बड़ौदा बीएनपी परिबा म्युचुअल फंड ने बड़ौदा बीएनपी परिबा फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्च करने की घोषणा की है. यह एक डायनेमिक इक्विटी स्कीम है, जिसमें हर तरह के बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मालकैप में निवेश करने की सुविधा है. इस फंड का उद्देश्य अलग अलग सेक्टर और सभी तरह के बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश के अवसरों की पहचान करना है. साथ ही लंबी अवधि में इक्विटी और इक्विटी से संबंधित प्रतिभूतियों में निवेश करके निवेशकों की दौलत बढ़ाना है.

यह न्यू फंड ऑफर यानी एनएफओ 25 जुलाई 2022 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है. इसमें 5 अगस्त 2022 तक निवेश किया जा सकता है. फंड का प्रबंधन बड़ौदा बीएनपी परिबा एसेट मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में बीएनपी परिबा एसेट मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) के मुख्य निवेश अधिकारी -इक्विटी, संजय चावला द्वारा किया जाएगा.

फंड लॉन्च होने के अवसर पर बड़ौदा बीएनपी परिबा एसेट मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ, सुरेश सोनी ने कहा कि हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जो लगातार विकास कर रही है. इक्विटी बाजार भी इसे दर्शाते हैं. अर्थव्यवस्था और व्यवसायों के विकसित होने के साथ ही सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली कंपनियां, सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले सेक्टर और साथ ही मार्केट कैप भी बदलते रहते हैं. इसलिए, फंड मैनेजर को पोर्टफोलियो का प्रबंधन करते समय एक ऐसी निवेश शैली या स्टाइल के बारे में पता होना चाहिए जो अनुकूल हो और उन्हें उसी शैली को अपनाना चाहिए.

इस संबंध में, फ्लेक्सी कैप फंड बाजार पूंजीकरण और सेक्टर में निवेशकों के लिए बेहतर साबित हो सकते हैं. वहीं ये फंड मैनेजर को भी बाजार की परिस्थितियों, वैल्यूएशन और भविष्य में विकास की संभावनाओं के आधार पर पोर्टफोलियो को तैयार करने की सुविधा देते हैं. यह फ्लेक्सी कैप फंड को पूरी तरह से एक इक्विटी समाधान बनाता है, जो बाजार के हर तरह के हालात के अनुकूल हो. साथ ही में निवेशकों को भी विविधता के साथ जोखिम से सुरक्षा मिलती है.

बड़ौदा बीएनपी परिबा एसेट मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य निवेश अधिकारी -इक्विटी, संजय चावला का कहना है कि यह योजना निवेश के लिए त्रि-आयामी दृष्टिकोण अपनाएगी. बेहतर सेक्टर चुनने के लिए एक टॉप-डाउन दृष्टिकोण, मार्केट कैप चुनने के लिए एक क्षैतिज दृष्टिकोण और बेहतर शेयर चुनने के लिए एक बॉटम-अप दृष्टिकोण. इस योजना को बाजार पूंजीकरण और सेक्टर में अवसरों की तलाश करने में लचीलेपन या फ्लेक्सिबिलिटी की सुविधा है. इस वजह से इस योजना को विकास क्षमता को भुनाने के साथ साथ विविधीकरण यानी डाइवर्सिफिकेशन के जरिए जोखिम का प्रबंधन करने में मदद मिल सकती है.

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)